पीएम मोदी आज छत्तीसगढ़ दौरे पर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

राष्ट्रपति ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 301 | रायपुर | शनिवार 01 नवंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 | छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत महोत्सव

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के कर-कमलों से

लगभग ₹14,300 करोड़

01 नवंबर 2025

राज्योत्सव स्थल
नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

की सड़क, ऊर्जा, उद्योग, आवास, ग्रामीण और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी विकास परियोजनाओं का

शिलान्यास / उद्घाटन / लोकार्पण / राष्ट्र को समर्पण और शुभ गृहप्रवेश

शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय
₹52 करोड़

लोकार्पण

छत्तीसगढ़ के नवीन विधानसभा भवन
₹325 करोड़

गृह प्रवेश एवं किस्त जारी ₹1,200 करोड़

- PMAY-G के तहत बने 3.51 लाख आवासों का गृह प्रवेश एवं खुशियों की चाबी का वितरण
- 3 लाख लाभार्थियों को सहायता राशि की किस्त जारी

शिलान्यास ₹7,459 करोड़

- जांजगीर-चांपा और राजनांदगांव में नया स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र
- नवा रायपुर में फार्मास्युटिकल पार्क
- बिलासपुर के ग्राम कोनी और उसलापुर में कार्यरत महिला छात्रावास
- मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गीदम(दंतेवाड़ा) में शासकीय मेडिकल कॉलेज भवन
- बिलासपुर में शासकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं चिकित्सालय भवन
- 3 राष्ट्रीय राजमार्ग-130D और पत्थलगांव-कुनकुरी- छत्तीसगढ़/झारखंड सीमा तक चार लेन ग्रीनफील्डराजमार्ग के निर्माण एवं उन्नयन कार्य
- कांकेर में 220 के.वी और बलौदाबाज़ार-भाटापारा में 132 के.वी के विद्युत उपकेंद्र
- आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत आधारभूत संरचना का विकास कार्य

उद्घाटन ₹3,250 करोड़

- मुंगेली में 400, राजिम (गरियाबंद) और पाटन (दुर्ग) में 220, रायपुर, बेमेतरा, बिलासपुर और कोरिया में 132 के.वी. ईएचवी के कुल 7 उपकेंद्र
- बस्तर और सुकमा में 33 के.वी. उपकेंद्र
- 9 जिलों के 12 ब्लॉकों में स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम
- छत्तीसगढ़ और ओडिशा खंड (489 किमी) नागपुर-झारसुगुड़ा पाइपलाइन - (GAIL)
- नया पेट्रोलियम ऑयल डिपो (HPCL)
- अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन ट्रांसमिशन परियोजना (पावरग्रिड)

राष्ट्र को समर्पण ₹1,979 करोड़

- विभिन्न जिलों में नई 11 के.वी. और एल.टी. लाइन, ओवरलोडेड 11 के.वी. फीडर और ट्रांसफार्मर
- कंडक्टर को AB केबल में परिवर्तित करने के कार्य
- राष्ट्रीय राजमार्ग-130C मदांगमुड़ा-देवभोग-ओडिशा सीमा तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर सड़क निर्माण कार्य

DD NEWS
कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर देखें

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

Ro-45735/58

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

सत्य सांई अस्पताल बच्चों से मिलेंगे प्रधानमंत्री

11 सौ लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था के लिए बना आकर्षक हाल,नवनिर्मित विस का भी उद्घाटन करेंगे

रायपुर । देश के प्रधानमंत्री एक नवंबर को छग की राजधानी अटल नगर आ रहे है। यहां पर वे अपने व्यस्त दौरे कार्यक्रम के तहत ब्रम्हकुमारी शक्ति शिखर के नवनिर्मित शांति शिखर सत्य सांई अस्पताल तथा नये विधानसभा का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा उनके व्यस्त दौरे कार्यक्रम में आदिवासी संग्रहालय और राज्योत्सव स्थल एक सभा को संबोधित करना है। अटल नगर रायपुर में सुरक्षा के चौक चौबंद व्यवस्था किये जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सबसे पहले प्रातः नौ बजे ब्रम्हकुमारी शांति शिखर का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रामेन डेका विष्णुदेव साय एवं रमन सिंह होंगे। इस अवसर पर राजयोगिनी जयंती दीदी, सविता दीदी प्रमुख रूप से शामिल होंगी। यहां पर आकर्षक ढंग से एक हाल बनाया गया है। शांति शिखर कया बांधा सेक्टर 20 में रायपुर में बलुआ पत्थर से बनाया गया है। यहां पर आगंतुकों को आठ बजे आना होगा। साथ में कार्ड एवं आईडी प्रमाण पत्र लाये। हाल में मोबाइल ब्रीफकेश लाने की अनुमति नहीं दी गई है। इस अवसर पर छग और प्रदेश के अन्य स्थानों से

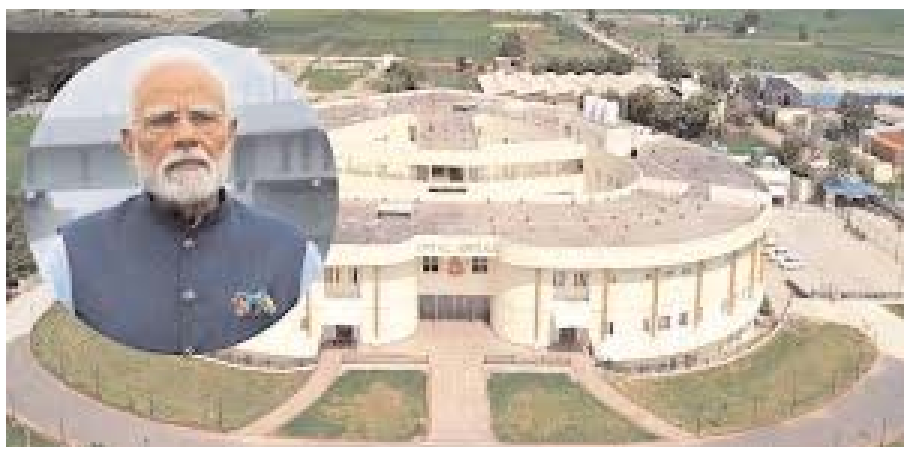

ब्रम्हकुमारियां आएंगी। प्रजापिता ब्रम्हकुमारी के भाई बहन इस समय आगंतुकों को कार्ड देने के लिए तैयारी कर रहे है।

सत्य सांई अस्पताल में छग मप्र ओडिशा बिहार, झारखंड के बच्चे पहुंच रहे

छग स्थापना दिवस पर नरेंद्र मोदी श्री सत्य सांई संजीवनी अस्पताल में बच्चों से मिलेंगे। यहां पर सर्जरी करवाने बच्चे और उनके परिजने मप्र ओडिशा बिहार झारखंड से पहुंच रहे है। सत्य सांई अस्पताल 13 सालों बिना किसी शुल्क के बच्चों को नया जीवनदान दे रहे है। यहां पर डेढ लाख से अधिक बच्चों की सर्जरी की जा रही है। पालकों ने इस सफल आपरेशन के लिए अस्पताल के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नया विधानसभा में धान की बालियां होंगी आकर्षण का केंद्र

छग विस का नया भवन का उद्घाटन नरेंद्र मोदी करेंगे। यह भवन करोड़ों रुपये की लागत से बनाया गया है। इसकी छत में धान की बालियां से डिजाइन की गई है जो कि आकर्षण का केंद्र बिंदु बनी हुई है यहां पर दो सौ से अधिक विधायकों की बैठने की व्यवस्था है ताकि भविष्य में विधायकों के लिए जगह कम नहीं पड़े। आदिम जाति विभाग द्वारा निमोरा में एक आदिवासी संग्रहालय बनाया गया है जिसमें आदिवासी सभ्यता एवं स्वतंत्रता आंदोलन में इनकी भूमिका के बारे में बताया जाएगा।

आम सभा के लिए तैयारियां

नया राजधानी अटल नगर में प्रधानमंत्री की एक सभा का आयोजन किया जा रहा है इसके लिए निरंतर बैठकों का दौर जारी है। कार्यालय प्रभारी के अनुसार यहां पर भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

हरदेवा, बर्रा व सेमरहा में फसल रौंदकर हाथियों का झुंड पहुंचा जंगल

कोरबा । जिले के कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज में हाथियों का आतंक बदस्तूर जारी है। यहां के सेमरहा बीट में सक्रिय 42 हाथियों के झुंड ने बीती रात हरदेवा, बर्रा व सेमरहा गांव में 15 से अधिक ग्रामीणों के धान की फसल को रौंदने के बाद अब सेमरहा जंगल के कक्ष क्रमांक पी-215 में पहुंच गया है।

एसपीजी जवान नवा रायपुर पहुंचे, पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल को लेंगे सुरक्षा घेरे में

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नवम्बर को रायपुर आ रहे है। वे छत्तीसगढ़ के 25वीं स्थापना दिवस पर मनाये जा रहे राज्योत्सव का शुभारम्भ करेंगे। पीएम करीब सात घंटे रायपुर में रहेंगे। ऐसे में पूरे क्षेत्र में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाएगी। बताया जा रहा है कि, पीएम के दौरे को देखते हुए आज पीएम मोदी की सुरक्षा में तैनात रहने वाली एसपीजी की टीम भी रायपुर पहुँच चुकी है। एसपीजी के साथ समन्वय स्थापित करते करते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस के द्वारा नया रायपुर में बलों की तैनाती शुरू कर दी जाएगी। पुलिस के आला अधिकारियों के साथ ही दिल्ली से आई टीम भी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा में जुटी हुई है। पीएम के सुरक्षा को देखते हुए ट्रैफिक भी डाइवर्ट किया जाएगा जबकि हाई अलर्ट जोन में बिना इजाजत एंट्री नहीं मिलगी। राज्योत्सव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतज़ाम किए जा रहे हैं। नया रायपुर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगी। 20 आईपीएस, 100 एडिशनल एसपी और डीएसपी रैंक के अधिकारी समेत 5 हजार जवानों की नया रायपुर के हर हिस्से पर नजर रहेगी। एडीजी रैंक के अधिकारी सुरक्षा इंतज़ामों की मॉनिटरिंग करेंगे। इसके अलावा राजपत्रित अधिकारियों की तैनाती भी की जाएगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने बताया कि अलग-अलग सेक्टरों में अफसरों की ड्यूटी लगाई जाएगी। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से भी पुलिस बल बुलाया जाएगा। जगह-जगह बैरिकेटिंग की जाएगी। पुलिस के जवान सिविल ड्रेस में भी भीड़ के बीच तैनात किए जाएंगे।

जैव विविधता के साथ देखा शिल्प और विरासत, पावन स्थली में शैक्षणिक भ्रमण से बहुत कुछ सीखा छात्रों ने

कोरबा। शिक्षा नीति में बदलाव के अंतर्गत स्कूलों में पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ-साथ प्रोजेक्ट वर्क पर भी काम हो रहा है। रानी लक्ष्मी बाई हायर सेकेंडरी स्कूल ढेलवाड़ीह के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत अमरकंटक में जैव विविधता के साथ धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर का अवलोकन किया।

संस्थान ने कक्षा नवमी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट वर्क की तैयारी के सिलसिले में उन्हें अमरकंटक ले जाने की व्यवस्था की। छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती मध्य प्रदेश के इस स्थान की महत्ता अलग-अलग कारणों से है। मध्य भारत की जीवन रेखा नर्मदा और सोन नदी नदी की उत्पत्ति यहां से होती है। इस पूरे अंचल में अधिक प्रकार की जड़ी बूटियों और वनस्पति मौजूद है जो इसे बायोडायवर्सिटी के मामले में एक नई पहचान देती है। संस्था प्रमुख अक्षय दुबे ने बताया कि अमरकंटक का धार्मिक, ऐतिहासिक और विरासत की दृष्टिकोण से भी खास महत्व है। विद्यार्थियों को अमरकंटक में वन संपदा के अलावा प्रकृति की विरासत और मानवीय सभ्यता के विकास क्रम में यहां की बदलती तस्वीर का भ्रमण कराया गया। यहां के शिल्प और निर्माण के साथ-साथ क्षेत्र की जीवन शैली के बारे में भी विद्यार्थियों ने गहराई से जानकारी ली। विद्यालय के शिक्षकों देवी इस दौरान विद्यार्थियों का बेहतर मार्गदर्शन किया। उन्हें बताया गया कि किसी भी क्षेत्र को समाज जीवन, पर्यावरण, लोकाचार और परस्पर तालमेल के मामले में जो चीज अच्छी बनती है उसमें लोगों की भूमिका बहुत ज्यादा मायने रखती है। विद्यार्थियों ने कहा की इस प्रकार के कार्यक्रम हमारी दृष्टि को एक नविता देते हैं और समझ विकसित करते हैं । जीवन के आगे की यात्रा में यह शैक्षिक घमंड उनके लिए काफी उपयोगी साबित होगा।

जिद्दी नाग ने भयभीत किया लोगों को, रेस्क्यू कर छोड़ा जंगल में

कोरबा । कुदुरमाल गांव के लोग एक विशाल नाग को देख सक्ते में आ गए। हरिशंकर पटेल ने बड़ी बहादुरी से एक किनारे बाल्टी को रख दिया जिसमें वो नाग घुस गया और कुण्डी मार कर बैठ गया। बाद में उसे सुरक्षित स्थिति में लाया गया और वाइल्डलाइफ रेस्क्यु टीम को अवगत कराया।कुछ समय के बाद टीम के प्रमुख सदस्य जितेंद्र सारथी अपने टीम राजू बर्मन, बबलू मारवा, शुभम के साथ यहां पहुंचे। बताया गया कि 6 फिट का विशालकाय नाग जिद्दी किस्म का था। उसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार उसे बाहर निकालना संभव हो सका। बाद में उसे फारेस्ट की जानकारी में लाने के साथ सुरक्षित तरीके से जंगल में छोड़ दिया गया। जितेंद्र ने बताया कि कोरबा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग प्रजाति के सर्प और अजगर मौजूद हैं। इसके अलावा रिहायशी क्षेत्रों में भी उनकी उपस्थिति का पता चल रहा है। ये अच्छी बात है कि समय के साथ लोग इस बारे में जागरूक हुए हैं।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में छत्तीसगढ़ को मिली उपलब्धि पर सीएम ने दी बधाई

रायपुर, । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में मिली छत्तीसगढ़ को उपलब्धि पर बधाई दी है उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत प्रदेश को 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य' घोषित किया गया है। यह सम्मान हमारी सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने के लिए किए गए प्रयासों का परिणाम है। राज्य में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पंजीकृत अस्पतालों में से 97 प्रतिशत आयुष्मान योजना में सक्रिय हैं, जो देश में सर्वाधिक है और यह योजना के प्रति अस्पतालों के विश्वास का प्रमाण है। हमारी सरकार प्रदेश के प्रत्येक पात्र परिवार को गुणवत्तापूर्ण, निःशुल्क और सम्मानजनक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करने हेतु प्रतिबद्ध है।

नर्सिंग होम एक्ट के तहत निजी अस्पतालों का निरीक्षण

कोण्डागांव। मंगलवार को समय-सीमा बैठक में कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना द्वारा दिये गये निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की ओर से डिप्टी कलेक्टर किशोर शर्मा जिला कोण्डागांव एवं जिला नोडल अधिकारी (नर्सिंग होम एक्ट) डॉ. प्रतीक चौधरी, जिला नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना डॉ. बसंत तोडे तथा औषधी निरीक्षक कोण्डागांव की संयुक्त टीम द्वारा कोण्डागांव जिले में संचालित निजी अस्पतालों एवं नर्सिंग होम का बुधवार 29 अक्टूबर को निरीक्षण किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मेनरोड कोण्डागांव में संचालित निजी अस्पताल सिद्धि विनायक अस्पताल कोण्डागांव, जीवन क्लीनिक मेनरोड रायपुर नाका कोण्डागांव, के.एन.एच अस्पताल, मेनरोड कोण्डागांव, निरादेवी चाईल्ड केयर आलबेड़ापरा कोण्डागांव में निरीक्षण एवं जांच की गई। जांच के दौरान उपरोक्त निजी अस्पतालों में नर्सिंग होम एक्ट 2010 के अन्तर्गत शिकायत पेटी, साफ-सफाई एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट का उचित प्रबंधन नहीं होना पाया गया। जिस पर टीम द्वारा उक्त निजी अस्पतालों को तत्काल आवश्यक सुधार करने निर्देशित किया गया। संचालित निजी अस्पतालों को सचेत किया गया कि पुनः निरीक्षण किये जाने पर अनियमितता की स्थिति निर्मित होने पर नर्सिंग होम एक्ट 2010 के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। जिसके लिए आप स्वतः जिम्मेदार होंगें।

मुख्यमंत्री साय से मिला बस्तर का युवराज

जगदलपुर । आज रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव से बस्तर जिले के जगदलपुर के होनहार खिलाड़ी युवराज सिंह ने सौजन्य भेंट की। युवराज सिंह ने एशियन ओलंपिक यूथ गेम्स, बहरीन में आयोजित म्यूथाई के मिक्स माई म्यू टीम इवेंट में 45 देशों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवां स्थान प्राप्त कर और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से ढाई साल की बच्ची की मौत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के सोनपुर रोड के मुरियापारा और नगरपालिका मोड़ के पास गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सड़क पर खेल रही ढाई साल की मासूम बच्ची को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी, तभी अचानक तेज गति से आ रही एक पिकअप वाहन ने बच्ची को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं वाहन चालक तत्काल मौके से फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत घायल बच्ची को जिला अस्पताल नारायणपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही नारायणपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने

घटना को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पिकअप वाहन की पहचान कर उसे जब्त कर लिया है। हालांकि वाहन चालक अभी तक फरार है। पुलिस उसकी तलाश में विभिन्न स्थानों पर दबिश दे रही है। घटना से आक्रोशित लोगों ने प्रशासन से दोषी चालक पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषी को जल्द गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई की जाएगी।

निर्माणाधीन मकान में मिली वृद्ध की लाश

बलरामपुर । छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले कें जनपद कार्यालय के सामने एक निर्माणाधीन मकान में वृद्ध व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नगर पालिका क्षेत्र निवासी रघुवीर टोप्पो के रूप में हुई है। घटना मंगलवार की है।मिली जानकारी के अनुसार 65 वर्षीय रघुवीर टोप्पो 29 अक्टूबर की दोपहर करीब 12 बजे घर से निकले थे, जिसके बाद वे वापस नहीं लौटे। देर शाम तक जब वे घर नहीं पहुंचे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। आसपास के इलाकों और रिश्तेदारों के घरों में काफी खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। अगले दिन सुबह, स्थानीय लोगों ने जनपद कार्यालय के सामने बने एक निर्माणाधीन मकान में शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा की कार्यवाही पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता नही चल पाया है कि वृद्ध की मृत्यु कैसे हुई है।

डॉ.शोभाराम देवांगन स्कूल के एकलव्य खेल परिसर में झूमेगा धमतरी

तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नितिन दुबे, राहुल बैंड और साधो बैंड की होगी प्रस्तुति

धमतरी । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय स्थित डॉ. शोभाराम देवांगन शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल के एकलव्य खेल परिसर में 2 से 4 नवम्बर तक जिला स्तरीय राज्योत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह तीन दिवसीय आयोजन जिले की लोकसंस्कृति, लोककला, लोकनृत्य और संगीत परंपरा की सजीव झलक प्रस्तुत करेगा। कार्यक्रम में जिलेभर से विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं स्थानीय कलाकारों की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ 2 नवम्बर की संध्या 5 बजे भजन, सूफी और 'जय गोविंदा' जैसी आध्यात्मिक प्रस्तुतियों से होगा, जिसे अनुज रॉक बैंड रायपुर प्रस्तुत करेगा। इसके बाद मांदरी नृत्य, गढ़िया बाबा नर्तक दल की लोक प्रस्तुति, एकलव्य विद्यालय पथर्रीडीह के छात्रों का गीत-नृत्य, पंथी नृत्य, पंडवानी एवं लोकनृत्य की श्रृंखला दर्शकों को पारंपरिक छत्तीसगढ़ी संस्कृति में रंग देगी। पहले दिन का मुख्य आकर्षण शाम 7 से रात 10 बजे तक लोकप्रिय गायक नितिन दुबे का लाइव कार्यक्रम रहेगा। दूसरे दिन 3 नवम्बर को कार्यक्रमों की शुरुआत स्वच्छता अभियान आधारित नृत्य-नाटिका से होगी। सर गौरी शंकर श्रीवास्तव सेवा समिति, मानसिक दिव्यांग सेवा केंद्र, उन्नायक सेवा समिति, बालाजी प्रशिक्षण केंद्र, ऐजेक्ट फाउंडेशन एवं अन्य संस्थाओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति जैसे सामाजिक विषयों पर नृत्य-नाट्य प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके साथ ही लोक नृत्य, कत्थक नृत्य एवं पंडवानी की आकर्षक प्रस्तुति होगी। संध्या 8 से 10 बजे तक राहुल बैंड का संगीतमय कार्यक्रम दर्शकों को झूमने पर विवश करेगा। तीसरे दिन 4 नवम्बर को ÷आमचो बस्तर÷ शीर्षक पर एकलव्य आवासीय विद्यालय पथर्रीडीह की प्रस्तुति राज्य के गौरवशाली लोक जीवन को प्रदर्शित करेगी। श्रवण बाधितार्थ बालिका विद्यालय, सेजस हटकेशर, कलेश्वरी साहू एवं आकाश गिरी गोस्वामी द्वारा नशा मुक्ति एवं सड़क सुरक्षा विषय पर नाट्य प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम का समापन सत्यभाम भारती की सनातनी प्रस्तुति और ब्राइट बैंड रायपुर के सुरमयी कार्यक्रम से होगा। रात्रि 7 से 10 बजे तक प्रसिद्ध साधो बैंड अपनी संगीतमय प्रस्तुति के साथ राज्योत्सव को यादगार समापन प्रदान करेगा।

विधायक भावना बोहरा की प्रतिबद्धता से नगर पालिका पंडरिया के विकास को मिल रही गति

नगर पालिका परिषद पंडरिया में 55 विकास व अधोसंरचना निर्माण हेतु मिली 2 करोड़ 80 लाख 98 हजार रु. की स्वीकृति

2 करोड़ 80 लाख रु. से अधिक के अधोसंरचना व विकास कार्यों की मिली सौगात

कवर्धा। जनता की बहुप्रतीक्षित मांग हो या पंडरिया नगर में जनता की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार, पंडरिया विधायक भावना बोहरा की सक्रियता से पंडरिया नगर को निरंतर विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। पंडरिया नगर पालिका परिषद अंतर्गत विभिन्न वार्ड एवं नगर में किड्स प्ले एरिया, जॉगिंग एरिया, पेयजल, सीसी रोड, स्ट्रीट व हाई मास्ट लाइट, विद्युत व्यवस्था हेतु पोल, नाली निर्माण, पेवर ब्लॉक व विभिन्न कार्यों हेतु 2 करोड़ 80 लाख 98 हजार रुपए की नगरीय प्रशासन एवं

विकास विभाग द्वारा प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति मिली है। इस सौगात के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय , उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए नगर वासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के सुशासन एवं विकास नीति का जनता को भरपूर लाभ मिल रहा है।

भावना बोहरा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हमारे पंडरिया विधानसभा में भी पांच वर्षों तक कांग्रेस के शासनकाल में जो विकास कार्य ठप्प पड़े थे वह अब तीव्र गति से हो रहें हैं। जनता की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार भी उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास से लेकर सौन्दर्यीकरण व प्रकाश व्यवस्था की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वहीं हमारे शहरी क्षेत्रों में भी व्यावसायिक गतिविधियों को गति देने के लिए अधोसंरचना विकास व सौन्दर्यीकरण, चौक-चौराहों का निर्माण तथा सुगम आवागमन के लिए सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। कई विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं वहीं कई विकास कार्य प्रगति पर हैं, जिसमें पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है और विकास कार्य धरातल पर दिख रहें हैं जिससे जनता में भी एक नया आत्मविश्वास दिख रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में नगर वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग को देखते हुए हमने निरंतर प्रयास किया जिसके परिणाम स्वरूप माननीय केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री जी द्वारा पंडरिया नगर अंतर्गत एनएच 130ए के 4.55 किलोमीटर सड़क मरम्मत कार्य हेतु 20 करोड़ रुपये की स्वीकृति हमें मिली और उसके लिए टेंडर भी जारी हो चुका है और जल्द ही प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य भी प्रारम्भ हो जाएगा। इसके पूर्व भी पंडरिया नगर पालिका अंतर्गत 1 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों की सौगात मिली है

वित्तीय समावेशन शिविरों में 419 खातों की पुन: केवाईसी संपन्न

आम नागरिकों को वित्तीय साक्षरता की दी गई जानकारी

धमतरी। वित्तीय समावेशन योजनाओं के संतृप्ति हेतु चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत आज जिले के परेवाडीह एवं उमरदा ग्राम पंचायतों में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक तथा बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा वित्तीय समावेशन शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में बैंक खातों की पुनः केवाईसी की गई तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत नए बीमा पंजीयन भी किए गए। शिविरों का निरीक्षण वित्तीय सेवा विभाग, नई दिल्ली के निदेशक हार्दिक मुकेश सेठ, सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया, अंचल कार्यालय रायपुर के उप महाप्रबंधक बी. आर. रामकृष्ण नायक, बैंक ऑफ बड़ौदा के उप महाप्रबंधक भरत चावड़ा, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति रायपुर के सहायक महाप्रबंधक मनोज कुमार तथा छ.ग.रा. ग्रामीण बैंक धमतरी के क्षेत्रीय प्रबंधक हरविंदर सिंह द्वारा किया गया। अधिकारियों ने शिविरों में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए स्थानीय निवासियों, व्यापार प्रतिनिधियों और बैंक अधिकारियों से चर्चा की। निदेशक सेठ ने खातों के री-केवाईसी के महत्व पर जोर देते हुए नागरिकों को समय पर यह प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया, ताकि उन्हें विभिन्न बैंकिंग सेवाओं का लाभ सुचारू रूप से प्राप्त होता रहे। उन्होंने बैंकों द्वारा वित्तीय समावेशन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और प्रतिभागियों को वित्तीय साक्षरता, डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की एकीकृत लोकपाल योजना 2021 से संबंधित जानकारी दी। शिविरों के दौरान दावा न की गई जमाराशियों, डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के उपायों और सतर्कता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी साझा की गईं। कंडेल, परेवाडीह, उमरदा एवं आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा बैंक अधिकारियों ने उनके प्रश्नों का विधिवत समाधान किया। शिविरों में बैंक ऑफ बड़ौदा, छ.ग.रा. ग्रामीण बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया, भारतीय स्टेट बैंक, केनरा बैंक तथा जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधकगण एवं बैंक मित्र उपस्थित रहे, जिन्होंने ग्रामीणों को पुनः केवाईसी प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया।

बिहार चुनाव : एनडीए ने जारी किया संकल्प पत्र,

फ्री बिजली,1 करोड़ नौकरियां,4 नए शहरों में मेट्रो बिहार के लिये एनडीए ने संकल्प में किये बड़े वादे

संवाददाता। लोकशक्ति।

पटना. बिहार में मतदान को लेकर कुछ दिन ही शेष रह गए हैं. इस बीच एनडीए ने अपना संकल्प पत्र यानि मेनिफेस्टो जारी कर दिया है. एनडीए के संकल्प पत्र में किसानों के लिए कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि की शुरुआत करने का वादा किया है. वहीं इसके साथ ही एमएसपी की गारंटी और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश का वादा किया गया है।

घोषणा पत्र जारी करने के मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा मौजूद थे। एनडीए के संकल्प पत्र में विकसित बिहार की परिकल्पना की गई है, जिसके लिए 25 प्रमुख संकल्प तय किए गए हैं। इसके अनुसार, 1 करोड़ से अधिक सरकारी नौकरी और रोजगार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही कौशल जनगणना कराकर युवाओं को उनके कौशल के आधार पर रोजगार दिया जाएगा। हर जिले में मेगा स्किल सेंटर स्थापित कर बिहार को ग्लोबल स्किलिंग हब के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

एनडीए के संकल्प में किया बड़े वादे

1 करोड़ से ज्यादा नौकरियां देने का किया वादा किया. 1 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जाएगा. महिलाओं को 2 लाख रुपये तक की सहायता राशि देने की तैयारी. खेलों के लिए सेंटर ऑफएक्सीलेंस सभी फसलों के लिए एमएसपी की गारंटी. एग्री इन्फ्रास्ट्रक्चर में 1 लाख करोड़ का निवेश. 100 एमएसएमई पार्क का ऐलान किया गया।

एनडीए के संकल्प पत्र में इन वर्गों पर खास जोर - एनडीए ने अपने घोषणापत्र में रोजगार, महिला सशक्तिकरण और कृषि विकास पर खास जोर दिया है. बिहार को ग्लोबल स्किलिंग सेंटर के रूप में स्थापित करने का संकल्प है. घोषणापत्र में दलित समाज, महिलाओं और युवाओं के विकास का खास ख्याल रखा गया.

10 लाख रुपये की आर्थिक मदद: **सम्राट चौधरी** - संकल्प पत्र को जारी करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, अति पिछड़ा वर्ग का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण बेहद अहम है. अति पिछड़ा वर्ग की विभिन्न श्रेणियों को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी. सबसे महत्वपूर्ण बात है कि सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में हम एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करेंगे. ये अति पिछड़ा वर्ग के तहत आने वाले विभिन्न समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का आकलन करेगी.

महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को 2 लाख रुपये तक की सहायता राशि देने का प्रावधान किया गया है। एनडीए ने एक करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का वादा किया है। इसके अलावा, 'मिशन करोड़पति' के तहत चयनित महिला उद्यमियों को करोड़पति बनाने की दिशा में कार्य करने की योजना भी शामिल की गई है। संकल्प पत्र में अति पिछड़ा वर्ग के विभिन्न व्यावसायिक समूहों – जैसे तांति, ततमा, निषाद, मल्लाह, तेली, तमोली, केवट, गंगोता, बिंद, नोनिया, बढ़ई, धानुक, लोहार, कुम्हार, नाई, शिल्पकार, ठठेरा, माली, चंद्रवंशी, हलवाई, कानू, दांगी, तुरहा, अमात, केवर्त, राजबंशी, गड़ेरिया आदि – को 10 लाख रुपये की सहायता देने का प्रावधान किया गया है।

24 नवंबर 2025 को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण करेंग देश के अगले सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत

नई दिल्ली,एजेंसी।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को देश का अगला मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) नियुक्त किया गया है. वह 24 नवंबर 2025 को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. मौजूदा मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी.आर. गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं. परंपरा के अनुसार, उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की थी. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत को 24 नवंबर 2025 से भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है. मैं उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं.

14 महीने का होगा कार्यकाल

हरियाणा के हिसार जिले में 10 फ रवरी 1962 को मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के में जज बने थे. उनका कार्यकाल 14 महीने का होगा और वे 9 फरवरी 2027 को सेवानिवृत्त होंगे. जस्टिस सूर्यकांत देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर दो दशकों के अनुभव के साथ आए हैं, जिसमें अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र, भ्रष्टाचार, पर्यावरण और लैंगिक समानता पर ऐतिहासिक फैसले शामिल हैं।

अब 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियां नहीं होंगी स्क्रैप, मिलेगा एनओसी

नई दिल्ली एजेंसी

राजधानी दिल्ली के वाहन मालिकों को रेखा गुप्ता सरकार ने बड़ी राहत दी है। अब 10 साल से पुरानी डीज़ल गाड़ियों और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को स्क्रैप करने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। सरकार ने वाहन रजिस्ट्रेशन से जुड़े नियमों में अहम संशोधन करते हुए पुराने वाहनों के लिए NOC (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) जारी करने की समय सीमा हटा दी है।

NOC मिलने के बाद वाहन मालिक अपनी गाड़ी को किसी दूसरे राज्य में दोबारा रजिस्टर करा सकते हैं, जहां ऐसी गाड़ियों पर बैन नहीं है। सरकार के इस कदम से न सिर्फ वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान से राहत मिलेगी, बल्कि दिल्ली की सड़कों पर पुरानी गाड़ियों की संख्या भी घटेगी। इससे प्रदूषण कंट्रोल में भी मदद मिलेगी और गाड़ियों की स्क्रैपिंग को लेकर चल रही परेशानी भी कम होगी।

बता दें कि पहले नियम यह था कि अगर आपकी गाड़ी दिल्ली में रजिस्टर्ड है और उसकी उम्र 10 (डीजल) या 15 (पेट्रोल) साल से ज्यादा हो चुकी है, तो दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) केवल रजिस्ट्रेशन खत्म होने के एक साल के भीतर ही मिलती थी।

लेकिन अब इस एक साल की समय सीमा को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। इसका मतलब यह है कि अब पुरानी गाड़ियों के मालिक कभी भी हृह्वष्ट के लिए आवेदन कर सकते हैं, चाहे गाड़ी का रजिस्ट्रेशन खत्म हुए कई साल क्यों न हो गए हों।

1 नवंबर से दिल्ली में नहीं चलेंगी ऐसी गाड़ियां - दिल्ली में तेजी से बढ़ते हवा के प्रदूषण को काबू करने के लिए एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन के आदेश पर दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग ने कड़ा कदम उठाया है। 1 नवंबर 2025 से राजधानी की सीमाओं पर BS-VI स्टैंडर्ड से पुरानी बाहरी राज्यों की कमर्शियल गाड़ियों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा।

आज छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में हिस्सा लेंगे प्रधानमंत्री मोदी, देंगे सौगात

प्रधानमंत्री सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य देखभाल और ऊर्जा जैसे प्रमुख सेक्टरों में 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

प्रधानमंत्री शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे

दिल की बात : प्रधानमंत्री जन्मजात हृदय रोगों का उपचार करा रहे बच्चों से परस्पर बातचीत करेंगे

लोकशक्ति।

प्रधानमंत्री सुबह लगभग 10 बजे, 'दिल की बात' कार्यक्रम के तहत, नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में 'जीवन का उपहार' समारोह में जन्मजात हृदय रोगों का सफलतापूर्वक उपचार करा चुके 2500 बच्चों से परस्पर बातचीत करेंगे।

प्रधानमंत्री इसके बाद लगभग 10:45 बजे ब्रह्माकुमारी के ÷शांति शिखर÷ का उद्घाटन करेंगे, जो आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान का एक आधुनिक केंद्र है। प्रधानमंत्री इसके बाद लगभग 11:45 बजे, नवा रायपुर अटल नगर स्थित छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद, वह छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। यह भवन ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा पर बनाया गया है, जिसे पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित और वर्षा जल संचयन प्रणाली से सुसज्जित करने की योजना है। इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 1:30 बजे शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे और उसका अवलोकन करेंगे।

यह संग्रहालय राज्य के जनजातीय समुदायों के साहस, बलिदान और देशभक्ति की विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करेगा। प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में संग्रहालय पोर्टल और ई-बुक ÷आदि शौर्य÷ का शुभारंभ करेंगे और स्मारक स्थल पर शहीद वीर नारायण सिंह की घुड़सवार प्रतिमा का अनावरण करेंगे। प्रधानमंत्री इसके बाद, दोपहर लगभग 2:30 बजे छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख सेक्टरों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और रूपांतरकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में 12 नए स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (एसवीईपी) ब्लॉकों का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री 3.51 लाख पूर्ण हो चुके घरों के गृह प्रवेश में शामिल होंगे और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 3 लाख लाभार्थियों को 1200 करोड़ रुपये की किश्तें जारी करेंगे, जिससे राज्य भर के ग्रामीण परिवारों के लिए सम्मानजनक आवास और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। प्रधानमंत्री कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए पत्थलगांव-कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक चार लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईवे की आधारशिला रखेंगे। इसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा भारतमाला परियोजना के तहत लगभग 3,150 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। यह रणनीतिक गलियारा कोरबा, रायगढ़, जशपुर, रांची और जमशेदपुर में प्रमुख कोयला खदानों, औद्योगिक क्षेत्रों और इस्पात संयंत्रों को जोड़ेगा। यह एक प्रमुख आर्थिक मार्ग के रूप में कार्य करेगा ।

अमृतसर : पाकिस्तान से जुड़े हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश, 15 आधुनिक पिस्तौल बरामद

अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक खुफिया जानकारी के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान से जुड़े हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में पुलिस ने एक नाबालिग समेत 7 आरोपियों पर कार्रवाई की, जिनमें शमशेर सिंह उर्फ सीमा, अमनदीप सिंह उर्फ बॉबी, बलविंदर सिंह उर्फ काका, गुरदेव सिंह, करणप्रीत सिंह, हरमन सिंह और एक नाबालिग शामिल हैं। सभी अमृतसर के निवासी हैं। पुलिस ने इनसे 15 अत्याधुनिक पिस्तौलें बरामद की हैं, जिनमें 9 ग्लॉक 9 एमएम पिस्तौल और 6 .30 बोर की पिस्तौल शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह गिरोह लंबे समय से सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी कर पंजाब के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई कर रहा था। डीजीपी पंजाब पुलिस ने इस बात की जानकारी आधिकारिक %एक्स% पोस्ट के जरिए दी है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान स्थित एक हैंडलर के संपर्क में थे। यह हैंडलर उन्हें आधुनिक हथियारों की आपूर्ति करवाता था, जिन्हें यह गिरोह आगे राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बेचने और आपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल के लिए पहुंचाता था।

प्रधानमंत्री ने गुजरात के केवड़िया में आकर्षक एकता परेड की झलकियां साझा कीं

देश | राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

देश की एकता को कमजोर करने वाली बातों से दूर रहें' : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली एजेंसी। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर वे 140 करोड़ भारतीयों को बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में मिलाने का असंभव लगने वाला कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज करोड़ों लोगों ने एकता की शपथ ली है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे कार्यों को बढ़ावा देना चाहिए जो देश की एकता को मजबूत करें, और हर नागरिक को उन विचारों और कार्यों से दूर रहना चाहिए जो एकता को कमजोर करते हैं। यह हमारे देश के लिए समय की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि जिस प्रकार हम 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाते हैं, उसी तरह एकता दिवस का भी हमारे जीवन में विशेष महत्व है। यह दिन प्रेरणा और गर्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एकता नगर में एकता मॉल, एकता गार्डन और एकता के सूत्र को सशक्त करने वाले कई प्रतीक दिखाई देते हैं। देशभर में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' में करोड़ों भारतीयों का उत्साह नए भारत की संकल्प शक्ति को दर्शाता है।

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि यहां हुए कार्यक्रमों और कल शाम की शानदार प्रस्तुतियों में भारत की परंपरा, वर्तमान का परिश्रम और भविष्य की झलक एक साथ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का मानना था कि हमें इतिहास लिखने में समय नहीं गंवाना चाहिए, बल्कि इतिहास बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। उनकी नीतियों और निर्णयों ने देश के इतिहास में नया अध्याय जोड़ा।

भारत-अमेरिका ने 10-वर्षीय रक्षा फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर किए

अमेरिका और भारत ने प्रमुख रक्षा साझेदारी के लिए 10-वर्षीय रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी।

रक्षा सहयोग में भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश है, हम एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैंः श्री पीट हेगसेथ रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 31 अक्टूबर, 2025 को मलेशिया के कुआलालंपुर में 12 वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम-प्लस) के अवसर पर अमेरिका के युद्ध मंत्री श्री पीट हेगसेथ से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में निरंतर गति की सराहना की और इसके सभी स्तंभों में पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने मौजूदा रक्षा मुद्दों और चुनौतियों की समीक्षा की और रक्षा उद्योग एवं प्रौद्योगिकी सहयोग पर विचार-विमर्श किया। दोनों नेताओं ने बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के दौर में चुनौतियों के समाधान के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की। युद्ध मंत्री ने दोहराया कि रक्षा सहयोग में भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश है और वे स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बैठक के बाद, दोनों नेताओं ने 'अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी की रूपरेखा' पर हस्ताक्षर किए, जो पहले से ही मज़बूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगी। वर्ष 2025 की रूपरेखा अगले 10 वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी को और भी बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। इसका उद्देश्य रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण और नीतिगत दिशा प्रदान करना है।

रक्षा मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से विश्वास व्यक्त किया कि यह रक्षा रूपरेखा भारत-अमेरिका के संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने लिखा, ÷यह हमारे बढ़ते रणनीतिक अभिसरण का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा। रक्षा हमारे द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख स्तंभ बना रहेगा। एक स्वतंत्र, खुले और नियमबद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए हमारी साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।÷

श्री पीट हेगसेथ ने एक पोस्ट में कहा कि यह ढांचा द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाता है, जो क्षेत्रीय स्थिरता और प्रतिरोध की आधारशिला है। उन्होंने लिखा, ÷हम अपने समन्वय, सूचना साझाकरण और तकनीकी सहयोग को बढ़ा रहे हैं। हमारे रक्षा संबंध पहले कभी इतने मज़बूत नहीं रहे।÷ भारत और अमेरिका के बीच सैन्य अभ्यासों और गतिविधियों, सूचना साझाकरण, समान विचारधारा वाले क्षेत्रीय और वैश्विक साझेदारों के साथ सहयोग, रक्षा औद्योगिक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग तथा रक्षा समन्वय तंत्र के माध्यम से रक्षा संबंधों का विस्तार जारी है।

पाक और चीन की खैर नहीं, राफेल की बढ़ेगी ताकत; भारतीय वायुसेना को जल्द मिलेंगे 'मेटेओर' मिसाइल

नई दिल्ली संवाददाता।

पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले के जवाब में मई में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों और आतंकी ठिकानों पर सटीक कार्रवाई की थी। इस ऑपरेशन की सफलता के बाद भारतीय वायुसेना अपनी मारक क्षमता और दूरपरिधि क्षमताओं को और मजबूत करने की तैयारी में है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वायुसेना बड़ी संख्या में यूरोपीय निर्मित मेटेओर एयर-टू-एयर मिसाइलें खरीदने की योजना बना रही है। इन मिसाइलों में रैमजेट प्रणोदन प्रणाली है, जो उच्च गति और लंबी मारक दूरी देने के साथ पहला वार, पहली जीत सिद्धांत में दक्षता प्रदान करती हैं। खरीद का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय में अंतिम चरण में पहुंच चुका है और उच्चस्तरीय बैठक में जल्द ही इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के 36 राफेल लड़ाकू विमानों पर मेटेओर मिसाइलें तैनात हैं, जो 2016 में फ्रांस से खरीद के बाद से इन विमानों का हिस्सा हैं। भविष्य में नौसेना के लिए ऑर्डर किए गए 26 राफेल मरीन जेट्स में भी इन मिसाइलों को शामिल करने की योजना है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय विमानों ने लंबी दूरी से दुश्मन ठिकानों को निशाना बनाया था। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी वायुसेना ने जवाब में चीनी PL-15 मिसाइलों का उपयोग किया, मगर वे भारतीय विमानों को हिट करने में सफल नहीं रहीं। साथ ही, भारत ने विदेशी प्रणालियों के साथ-साथ स्वदेशी क्षमता मजबूत करने की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। डीआरडीओ वर्तमान में 700 से अधिक 'अस्त्र मार्क-2' मिसाइलें विकसित कर रहा है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

चुनावी दौड़ में आगे कौन?

बिहार की चुनाव रैलियों में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भविष्यवाणी की। कहा, इस बार बिहार में NDA की ऐतिहासिक जीत होगी और जंगलराज वालों की ऐतिहासिक हार होगी, RJD और कांग्रेस को अब तक की सबसे कम सीटें मिलेंगी। मोदी ने तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पर करारे वार किये। मोदी ने कहा कि जमानत पर छूटे दो युवराज बिहार के लोगों से झूठे वादे करने में जुटे हैं, उन्हें गालियां दे रहे हैं, छठ मैया का कठोर व्रत करने वाली महिलाओं को ड्रामेबाज बता रहे हैं, ऐसे लोगों को बिहार के लोग सबक सिखाएंगे। मोदी ने कहा कि कट्टा, कटुता, क्रूरता, कुशासन और करप्शन वाली RJD के नेता जब सुशासन की बात करते हैं तो हंसी आती है, उनके प्रचार में जो गाने चल रहे हैं, उन गानों को सुनकर ही RJD के चरित्र का अंदाजा हो जाता है।

जैसे ओस की बूँद।

कभी लगता
जीवन के हर पल
अपने हो जाते,
जब कोई आँख बिना
बोले मुस्कुरा देती ,
जब किसी की हथेली
से छूकर गुजरती हवा,
अंतस में एक खुशबू
नम,नर्म,अनकही।

मानवीय संबंध
जैसे ओस की बूँद,
जो गिरती नहीं,
बस थिरकती
किसी पंखुड़ी पर
उसका होना ही है कविता ,
उसका मिट जाना
एक अधूरी पंक्ति।
रिश्ते तितलियों के पंख ,
रंगों से भरे, हल्के
छू लो तो उड़ जाते,
देखो तो मन में बस जाते।

कभी दीपक की लौ-सा
मौन स्पर्श करते ,
कभी चाँदनी की
कोमल धारा बन
आँखों में उजाला भर देते
इनके बिना जीवन सूना ,
जैसे स्याही बिना अक्षर,
या धड़कन बिना ध्वनि।
पर जब स्वार्थ की हवा चलती
,
तो सब कुछ बिखर जाता
मोती अपने धागे से,
पंखुड़ियाँ अपने फूल से,
भँवरे भी तब गीत भूल जाते
और उस क्षण,
मन में बस एक नमीं उतरती
जो भीतर तक चुप हो जाती ।

फिर भी,
कोमल मुस्कान का एक स्पर्श
फिर से जगाता उजाला,
जैसे टूटी हुई दीवार
पर चढ़ आता सूरज,
बस इतना ही काफी
कि जीवन फिर अंकुरित हो,
और आत्मा, बिना किसी शब्द
के,
कह उठे
अब भी प्रीत है शेष
मैं अब भी जीवित हूँ।÷

संजीव ठाकुर,

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

'रेवड़ी संस्कृति' : लोकतंत्र का आधार या प्रलोभन की डगर?

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

बिहार की राजनीति एक बार फिर चुनावी रंग में रंग चुकी है। हर चुनावी सभा में, गली-मोहल्ले से लेकर सोशल मीडिया तक मुफ्त रेवडियों की घोषणाओं और वादों की बाढ़ आई हुई है। यह चुनावी मौसम पहले की तरह इस बार भी 'रेवड़ी संस्कृति' से सराबोर दिखाई देता है। महागठबंधन हो या एनडीए-दोनों गठबंधन एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में ऐसे-ऐसे वादे कर रहे हैं जो सुनने में आकर्षक लगते हैं, पर उनकी व्यवहारिकता और आर्थिक सम्भावना पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। ये चुनावी वादें कैसे पूरे होंगे या जनता के साथ विश्वासघात होगा? हर दल मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा रहा है, लेकिन शायद ही किसी ने यह सोचा हो कि इन लोकलुभावन योजनाओं के लिए फंड कहां से आएगा, कैसे उनकी पूर्ति होगी और क्या यह राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति पर और बोझ नहीं बनेगा।

बिहार का यह चुनाव इसलिए खास नहीं है क्योंकि इससे दो दशकों से राज्य का चेहरा रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भविष्य तय होना है-यह खास इसलिये है क्योंकि दोनों गठबंधनों की तरफ से एक जैसी राजनीति चल रही है-लोकलुभावन घोषणाओं की। महागठबंधन ने दो दिन पहले 'तेजस्वी -संकल्प' घोषित किया। कांग्रेस, आरजेडी और दूसरे सहयोगी दलों ने बीते दिनों में जो चुनावी वादे किए हैं, उन्हें ही इसमें शामिल किया गया है। दूसरी ओर एनडीए के वादों की लिस्ट भी बेहद लंबी है। शुरुआत में नीतीश सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये, 125 यूनिट फ्री बिजली, एक करोड़ नौकरियों का वादा, महिलाओं को नौकरी में आरक्षण, बढ़ी पेंशन-नीतीश ने चुनावी अभियान इस तरह शुरू किया। महागठबंधन ने जवाब में 200 यूनिट फ्री बिजली, हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, महिलाओं को हर महीने ढाई हजार, और भी बहुत कुछ देने का वादा किया है। दोनों की गठबंधन की आसमानी घोषणाएं लुभा रही है, जनता को गुमराह कर रही है, सीधे-सीधे रूप में यह वोटों को खरीदने की साजिश है। नीति आयोग के आंकड़े बताते हैं कि देश की जनसंख्या में बिहार का हिस्सा 9 प्रतिशत से ज्यादा है, पर जीडीपी में योगदान 2021-22 में घटकर 2.8 प्रतिशत रह गया। बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश की औसत प्रति व्यक्ति आय का केवल 30 प्रतिशत है, जबकि बेरोजगारी ज्यादा है। 2022-23 में राज्य की जीडीपी की तुलना में ऋण का अनुपात 39.6 प्रतिशत था।

बिहार के सामने सबसे बड़ी समस्या है आय के साधन जुटाने की। कुल कमाई में उसका अपना टैक्स रेवेन्यू केवल 23 प्रतिशत है और केंद्र की तरफ से अनुदान का हिस्सा 21 प्रतिशत। जन सुराज का दावा है कि मुफ्त की योजनाओं को पूरा करने के लिए 33 हजार करोड़ चाहिए होंगे। इस आंकड़े को सच मान लें तो राज्य के कुल बजट में से रोजमर्रा के कामकाज व योजनाओं का खर्च निकालने के बाद करीब 40 हजार करोड़ रुपये बचते हैं। क्या मुफ्त रेवड़ियों की घोषणाओं के वादा इससे पूरे होंगे? एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि हकीकत में दोनों को बताना चाहिए कि वे किस तरह इन वादों को पूरा करेंगे। बेरोजगारों को भत्ता, महिलाओं को नकद सहायता, युवाओं को लैपटॉप, किसानों के लिए ऋणमाफी-इन घोषणाओं की बाढ़ ने लोकतंत्र को मजबूती देने के बजाय उसे लोकलुभावन जाल में फंसा दिया है। यह स्थिति केवल बिहार की नहीं, पूरे देश की राजनीति में एक नई प्रवृत्ति के रूप में उभर रही है, जहां सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने का रास्ता जनता की विवेकशीलता से नहीं, बल्कि प्रलोभनों की मिठास से तय किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं, क्योंकि यह मतदाता को उपभोक्ता में बदल देती है और राजनीति को नीति से भटकाकर लाभ की गणित में फंसा देती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कही गई 'रेवड़ी संस्कृति' की अवधारणा आज बिहार की राजनीति में पूर्णरूपेण साकार होती दिख रही है। मुफ्त बिजली, राशन, यात्रा या सहायता योजनाएं अब चुनावी घोषणाओं की अनिवार्य शर्त बन गई हैं। जनकल्याण का उद्देश्य पीछे छूट गया है, सामने है तो केवल वोटों की गिनती। इन घोषणाओं के माध्यम से मतदाता को प्रभावित करना एक तरह का सॉफ्ट करप्शन है, जहां खरीदी खुलकर नहीं होती, पर मानसिक रूप से मतदाता को बंधक बना लिया जाता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है, क्योंकि यह नीतियों और सिद्धांतों को कमजोर करती है और राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का खेल बना देती है। लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब चुनाव नैतिक और नीति-सम्मत हों। चुनाव का अर्थ केवल जीत और हार नहीं, बल्कि समाज के चरित्र और दिशा का निर्धारण है। नैतिक राजनीति वही है जिसमें जनहित को सर्वोपरि माना जाए, न कि तत्कालिक लाभ को। यदि राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में केवल आकर्षक वादे ही भरते जाएं और उनके पीछे कोई आर्थिक या सामाजिक दृष्टि न हो, तो यह लोकतंत्र की आत्मा के साथ खिलवाड़ है। मतदाता को चाहिए कि वह ऐसी घोषणाओं से प्रभावित न हो, बल्कि यह देखे कि कौन-सी पार्टी या नेता दीर्घकालिक सुधार, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुशासन की बात कर रहा है। लोकतंत्र उपहार नहीं, उत्तरदायित्व है, इसे समझना और निभाना नागरिक का धर्म है।

वोट किसी के द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की स्थिरता, सुशासन और सच्चे विकास के लिए दिया जाना चाहिए। मतदाता का विवेक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। अगर जनता भावनाओं या लालच में निर्णय लेगी, तो राजनीति और शासन दोनों भ्रष्ट हो जाएंगे। इसी तरह दलों को भी आत्मसंयम रखना चाहिए और यह समझना चाहिए कि सत्ता की प्राप्ति साधन नहीं, सेवा का अवसर है। आज सबसे बड़ी जरूरत है कि चुनावी घोषणाओं पर एक नियंत्रण तंत्र बने, चुनाव आयोग और नीति आयोग मिलकर इस पर नियम तय करें कि कोई भी दल अपने घोषणापत्र में ऐसे वादे न करे जिनका कोई आर्थिक आधार न हो। मीडिया को भी केवल वादों को प्रचारित करने में नहीं, बल्कि उनकी समीक्षा करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। जनता के बीच मतदाता शिक्षण अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग यह समझ सकें कि वोट किसी प्रलोभन का प्रत्युत्तर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है।

वैसे तो दोनों ही गठबंधन एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं। भाजपा-जद(यू) गठबंधन तेजस्वी की छवि को एक गैर जिम्मेदार सपने बेचने वाले नेता के रूप में गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। जाहिर है कि जब तक वादों को ठोस नीति में नहीं बदला जाएगा, वे केवल भाषणों की सजावट बने रहेंगे। महागठबंधन को चाहिए कि वह अपने घोषणापत्र को भावनात्मक अपील की बजाय आर्थिक व्यवहार्यता के साथ तैयार करे। यही रणनीति जनता में भरोसा जगाएगी और विपक्ष के हमलों को कमजोर करेगी। तेजस्वी यादव का करिश्मा, संवाद शैली और युवाओं से जुड़ाव उन्हें बिहार की राजनीति में एक बड़ा चेहरा बनाते हैं लेकिन उनकी पूरी चुनावी रणनीति धुआंधार वादों के इर्द-गिर्द घूम रही है। राजनीति में कोई भी वादा तब ताकत बनता है जब उसमें विश्वसनीयता, यथार्थता और क्रियान्वयन की संभावना हो।

लोकतंत्र की पवित्रता तभी बचेगी जब राजनीति नीति से संचालित होगी, जब सत्ता सेवा का माध्यम बनेगी और जब मतदाता अपने विवेक से निर्णय लेगा। बिहार जैसे प्रबुद्ध राज्य को चाहिए कि वह रेवड़ी संस्कृति से ऊपर उठकर विकास, रोजगार, शिक्षा, नैतिकता और सुशासन पर आधारित राजनीति का चयन करे। तभी लोकतंत्र अपने वास्तविक अर्थ में जीवित रहेगा और आने वाली पीढ़ियां गर्व से कह सकेंगी-÷हमने वोट से अपना भविष्य खरीदा नहीं, बनाया है।÷ **यह निजी विचार है।**

विनम्रता, मनुष्यता का सत्व-सार, जीवन की मुस्कुराहट।

विनम्रता मनुष्य के भीतर का वह नाद है, जो बिना बोले उसकी आत्मा का संगीत बन जाता है। यह विराट ज्ञान का सहज और मौन रूप है, जो शोर नहीं करता, परंतु चारों ओर सौंदर्य और संतुलन फैला देता है। जिस प्रकार सूर्य बिना गर्व किए प्रकाश देता है और सागर अपनी गहराई का बखान नहीं करता, उसी प्रकार सच्चा ज्ञानी अपनी विनम्रता से ही पहचाना जाता है। विनम्रता मनुष्य के व्यक्तित्व की वह आभा है, जो बिना आभूषणों के भी उसे तेजस्वी बना देती है।मनुष्य का स्वभाव दो ध्रुवों पर टिका है अहंकार और विनम्रता। अहंकार ऊँचा उठने की चेष्टा करता है पर भीतर खोखलापन बढ़ाता है; जबकि विनम्रता नीचे झुककर भीतर की गहराई में डूबती है और वहाँ से आत्मबल का जल खोज लाती है। यही कारण है कि विनम्र व्यक्ति स्थायी रूप से ऊँचा होता है, जबकि अहंकारी व्यक्ति क्षणिक प्रसिद्धि के बाद विस्मृति में खो जाता है। ज्ञान का सार यह नहीं कि हम क्या जानते हैं, बल्कि यह कि हम जो जानते हैं, उसे कितनी विनम्रता से स्वीकारते हैं।

दार्शनिक सुकरात ने कहा था÷मुझे केवल इतना ज्ञात है कि मैं कुछ नहीं जानता।÷ यह वाक्य केवल आत्मस्वीकार नहीं, बल्कि गहन दार्शनिक साक्षात्कार था। जब व्यक्ति यह जान लेता है कि उसके ज्ञान की सीमा है, तभी उससे परे के सत्य की खोज आरंभ होती है। यही विनम्रता का प्रारंभ है। बुद्ध ने कहा – ÷विनय ही ज्ञान का द्वार है।÷ इसीलिए बौद्ध संघ में प्रथम गुण के रूप में ÷विनय÷ को स्वीकार किया गया। भारतीय दर्शन में भी ÷विनय÷ को ब्रह्मचर्य, अहिंसा और सत्य की भांति जीवन की साधना माना गया है। विनम्रता व्यक्ति को भीतर से निर्मल बनाती है। वह दूसरों की सफलता से ईर्ष्या नहीं करता, क्योंकि उसे ज्ञात होता है कि प्रत्येक आत्मा अपने मार्ग पर साधना में है। विनम्र व्यक्ति का अहंकार नहीं, आत्मसम्मान बोलता है। वह दूसरों की बात सुनता है, उन्हें सम्मान देता है और सीखने की प्रक्रिया में सदैव तत्पर रहता है। यही कारण है कि विनम्रता और ज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं – जहाँ ज्ञान है, वहाँ विनम्रता अनिवार्य है।

भारतीय संतों और चिंतकों ने सदैव यह कहा कि सच्चा ज्ञान वही है, जो मनुष्य को नम्र बनाता है। तुलसीदास ने कहा था

÷बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंछी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।÷

अर्थात यदि ऊँचाई केवल बाहरी है और उसके नीचे करुणा व विनम्रता नहीं, तो वह व्यर्थ है। संत कबीर ने इसी भाव को और स्पष्ट किया –

÷जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहीं।
सब अँधियारा मिट गया, दीपक देखा माहीं।÷

यह ÷मैं का अभाव÷ ही विनम्रता का परम रूप है जहाँ व्यक्ति अपने अस्तित्व का विसर्जन सत्य में कर देता है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, और स्वामी विवेकानंद जैसे विभूतियों ने ज्ञान और विनम्रता का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। राधाकृष्णन जी कहते थे ÷सच्चा शिक्षक वही है जो सीखना कभी नहीं छोड़ता।÷ यह विनम्रता का ज्ञानात्मक रूप है। कलाम साहब की सादगी में विज्ञान था, पर उनकी विनम्रता में दर्शन था। वे राष्ट्र के शीर्ष पर पहुँचकर भी बच्चों के प्रश्नों के आगे झुक जाते थे। विवेकानंद ने कहा था – ÷नम्र रहो, क्योंकि विनम्रता में ही शक्ति है।÷

विनम्रता केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, यह सामाजिक चेतना का आधार भी है। जब समाज के अग्रणी, नेता, शिक्षक, या विचारक विनम्र होते हैं, तब समाज में संवाद जीवित रहता है, और जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ संघर्ष की जगह समझ पनपती है। विनम्रता विचारों का सेतु है, दीवार नहीं। यह अहं के कोलाहल में भी संवाद की ध्वनि बनाए रखती है।

महात्मा गांधी ने भी यही दर्शन जीया। सत्य और अहिंसा उनके साधन थे, पर उनकी जड़ें विनम्रता में थीं। वे विरोधी से भी संवाद करते थे, शत्रु में भी मनुष्य देखते थे। यह उनकी कमजोरी नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता थी। विनम्रता की यही पराकाष्ठा थी, जिसने बिना हथियार के साम्राज्य को हिला दिया। विनम्रता का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति स्वयं को छोटा समझे, बल्कि यह कि वह अपने 'अहं' को बड़ा न समझे। यह आत्मबोध का गुण है, आत्महीनता का नहीं। विनम्र व्यक्ति का आत्मबल इतना प्रखर होता है कि वह दूसरों को भी बल देता है। उसके शब्द नहीं, उसका मौन शिक्षा देता है। उसके सामने लोग झुकते नहीं, अपने भीतर झाँकते हैं। आज के युग में जहाँ प्रतिस्पर्धा का कोलाहल है, वहाँ विनम्रता वह शीतल छाया है जो व्यक्ति को जलने से बचाती है। यह केवल व्यवहार की मर्यादा नहीं, बल्कि आत्मा की परिपक्वता है। ज्ञान का सच्चा उद्देश्य यह नहीं कि हम दूसरों से श्रेष्ठ बनें, बल्कि यह कि हम स्वयं को बेहतर बनाएं। और यह 'बेहतर बनने' की यात्रा तभी संभव है जब मनुष्य विनम्र हो।

अहंकार क्षणभंगुर है, जैसे बुलबुला चमकता जरूर है पर टिकता नहीं। विनम्रता स्थायी है, जैसे गंगा – शांत, शीतल, निरंतर बहती हुई, सबको स्नान कराती हुई। भारतीय संस्कृति की दीर्घायु का रहस्य इसी विनम्रता में छिपा है। सहिष्णुता, करुणा, विनय और संयम हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। यही हमें नश्वर परिस्थितियों में भी अमर बनाती हैं।

अंततः यही कहा जा सकता है कि विनम्रता वह दर्पण है जिसमें ज्ञान अपनी वास्तविक छवि देखता है। बिना विनम्रता के ज्ञान अधूरा है, और बिना ज्ञान के विनम्रता अंधी। जब ये दोनों एक साथ मिलते हैं, तभी मनुष्य का व्यक्तित्व प्रकाशमान होता है। यही वह अवस्था है जहाँ मनुष्य ÷माननीय÷ नहीं, बल्कि ÷महनीय÷ बनता है।

संजीव ठाकुर, यह निजी विचार है।

बिहार चुनाव में बाहुबलियों का खूनी खेल

संजय सक्सेना,लखनऊ

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बाहुबलियों की भूमिका काफी प्रभावशाली रही है। बाहुबली जितना राजनीतिक दबदबा और आपराधिक पृष्ठभूमि दोनों से जुड़े हैं, उतना ही वे अपने इलाके में मजबूत वोट बैंक के कारण बड़ी पार्टियों के चुनावी समीकरणों में अहम माने जाते हैं। इस बार के चुनाव में भी प्रमुख पार्टियां जैसे भाजपा, जेडीयू, आरजेडी, कांग्रेस और जन सुराज पार्टी ने बाहुबली या उनके परिवार के सदस्यों को टिकट देकर अपने पक्ष में बड़ा फायदा उठाने की रणनीति अपनाई है। बाहुबली स्थानीय स्तर पर असरदार होते हैं, वे वोटरों पर भरोसा और डर दोनों का मिश्रण पैदा करते हैं, जिससे उनकी राजनीतिक सत्ता में हिस्सेदारी बढ़ती जाती है। इस तरह बाहुबली बिहार की राजनीति में एक अहम और प्रासंगिक शक्ति बने हुए हैं।राजनीतिक दलों के लिहाज से देखा जाए तो जेडीयू ने सबसे अधिक बाहुबली उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, जिनमें से सबसे चर्चित नाम अनंत सिंह का है। अनंत सिंह पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और उनका प्रभाव मोकामा समेत पूरे सारण प्रमंडल में गहरा है। आरजेडी ने भी बाहुबली परिवारों को टिकट दिया है, जैसे कि मोकामा से अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी को। भाजपा ने भी सीमांचल जैसे इलाकों में बाहुबली या उनके रिश्तेदारों को अपनी ताकत के तौर पर स्वीकारा है। जन सुराज पार्टी भी बाहुबली प्रभाव से सावधान है, लेकिन वे बाहुबली मतभेदों के खिलाफ अपनी चुनावी लड़ाई को आगे बढ़ा रही है।

बिहार चुनाव में जिन बाहुबलियों का नाम प्रमुखता से सामने आता है, उनमें अनंत सिंह (जेडीयू), आनंद मोहन (जेडीयू और परिवार) और दुलारचंद यादव (जन सुराज पार्टी से जुड़े) हैं। दुलारचंद यादव मोकामा के प्रमुख बाहुबली थे, जो चुनाव 2025 में जन सुराज पार्टी के कैंडिडेट पीयूष प्रियदर्शी के समर्थन में प्रचार कर रहे थे। वे पहले कभी आरजेडी और जेडीयू दोनों के करीबी रहे। उनका दबदबा यादव समाज में काफी मजबूत था, लेकिन उनकी पृष्ठभूमि में आपराधिक मामले भी रहे हैं। हाल ही में, चुनाव प्रचार के दौरान उनकी हत्या हो गई है, जिसके आरोप में जेडीयू के उम्मीदवार अनंत सिंह सहित पांच लोगों के खिलाफएफआईआर दर्ज की गई है।

इस हत्या ने चुनावी माहौल को और गर्म कर दिया है। इस घटना ने बिहार की चुनावी राजनीति में बाहुबली संघर्ष और हिंसा को उजागर किया है। क्षेत्रीय बाहुबली प्रभाव का चढ़ाव-उतार, दलों के बीच समीकरण और वोटरों के बीच भय-भरोसे का मिश्रण इस चुनाव की विशेषता बनी हुई है। वहीं, जेडीयू और जनता के बीच इस हत्या के आरोप को लेकर विवाद और तनाव बढ़ा हुआ है। दुनियावी बाहुबली राजनीति के बीच नए राजनीतिक चेहरे और दलों की कोशिश है कि बाहुबली प्रभाव को खत्म या नियंत्रित किया जाए, लेकिन अभी तक यह पूरी तरह सफल नहीं हो पाया है और बाहुबली बिहार के चुनावी नतीजों में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। इस हालत में कहा जा सकता है कि बाहुबली बिहार के विधानसभा चुनाव का अभिन्न हिस्सा हैं, जिनका प्रभाव मतदाताओं, राजनीतिक पार्टियों और चुनावी रणनीतियों पर गहरा है। दुलारचंद यादव की हत्या के मामले ने तो इस संदर्भ में एक और विवादास्पद राजनीतिक अध्याय जोड़ दिया है, जिसमें बाहुबली और चुनावी दुश्मनी का कड़वा सच सामने आ रहा है। **यह निजी विचार है।**

कौशल से आत्मनिर्भर बस्ती : उत्तर प्रदेश का नया कौशल केंद्र बन रहा है पूर्वांचल का बस्ती जिला

पीआईबी

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) तथा उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयासों से बस्ती जिले में कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता का एक सशक्त तंत्र तैयार किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को रोजगार योग्य बनाना, स्थानीय उद्योगों को सशक्त करना और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति देना है।

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी कल बस्ती में एक जनसंपर्क कार्यक्रम में शामिल होने और जिले में चल रही कौशल विकास एवं उद्यमशीलता से संबंधित पहलों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए उपस्थित थे।

बस्ती जिले की आबादी लगभग 24.6 लाख है, जिसमें से 75 प्रतिशत से अधिक लोग कृषि एवं ग्रामीण व्यवसायों से जुड़े हैं। यहां के 14 ब्लॉकों और 4 तहसीलों में कौशल प्रशिक्षण संस्थानों का सशक्त नेटवर्क विकसित किया गया है। जिले में 4 सरकारी एवं 26 निजी आईटीआई, 2 पॉलीटेक्निक, 1 जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) और 1 आरसेटीआई कार्यरत हैं, जिनकी वार्षिक प्रशिक्षण क्षमता 10,000 से अधिक युवाओं की है।

कौशल और उद्यमिता से सशक्त हो रहा है बस्ती

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत अब तक बस्ती में 14,019 उम्मीदवार प्रशिक्षित किये गए हैं।

जिला कौशल विकास योजना (डीएसडीपी) के तहत स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्यूटी एवं वेलनेस, हैंडीक्राफ्ट, और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियों की पहचान की गई है।

आरसेटीआई बस्ती के माध्यम से महिलाओं के 300 से अधिक स्वयं-सहायता समूहों (एसएचजी) को प्रशिक्षण और उद्यमिता समर्थन मिला है।

जन शिक्षण संस्थान, बस्ती द्वारा 1,800 से अधिक ग्रामीण एवं अशिक्षित युवाओं को पारंपरिक हस्तकला, सिलाई, ब्यूटी वेलनेस, और डेटा एंट्री जैसे कोर्स में प्रशिक्षण दिया गया है।

कृषि विज्ञान केंद्र, गोतवा ने स्थानीय किसानों को मशरूम उत्पादन, बी-कीपिंग, खाद निर्माण और फल-सब्ज़ी प्रसंस्करण के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया है।

स्थानीय उद्योग और रोजगार

बस्ती का ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) है – वुडन क्राफ्ट और सिरका, जो पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। जिले में वर्तमान में 7,743 पंजीकृत औद्योगिक इकाइयां और 14 मध्यम एवं बड़े उद्योग कार्यरत हैं, जिनसे लगभग 30,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है।

कृषि के क्षेत्र में भी बस्ती अग्रणी है। यहां 2.7 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में धान, गेहूं, गन्ना, और सब्ज़ियों की खेती होती है, जबकि 43,000 से अधिक पशुपालक परिवार दुग्ध एवं पोल्ट्री आधारित रोजगार से जुड़े हैं।

महिला उद्यमिता को नई दिशा

एमएसडीई के अंतर्गत ÷स्वावलंबनी महिला उद्यमिता कार्यक्रम÷ के माध्यम से उत्तर प्रदेश की महिला विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बस्ती जिले से अनेक महिला प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय उद्यमिता विकास परियोजना (पीएम-स्वनिधि) के तहत लाभार्थियों को व्यवसाय आरंभ करने का प्रशिक्षण दिया गया।

श्री जयन्त चौधरी का कथन – केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने कहा, ÷कौशल भारत का विजन तभी साकार होगा जब हमारे गांव और जिले आत्मनिर्भर बनें। बस्ती ने दिखाया है कि स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक कौशल और नई तकनीक को मिलाकर कैसे उद्यमिता को रोजगार में बदला जा सकता है। उत्तर प्रदेश आज कौशल की शक्ति से आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर रहा है।÷

प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में शुरू की गई 60,000 करोड़ रुपये की ÷प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफ़ॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआईज (पीएम-सेतु)÷ योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश ने पहले चरण में तीन प्रमुख क्लस्टर चिन्हित किए हैं। इन क्लस्टरों को अत्याधुनिक आधारभूत संरचना, उद्योग से जुड़े पाठ्यक्रमों और डिजिटल प्रशिक्षण सुविधाओं से सुसज्जित मॉडल आईटीआई हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक आईटीआई को स्थानीय रोजगार सृजन, नई पीढ़ी के कौशलों और उद्यमिता का केंद्र बनाना है, ताकि भारत वर्ष 2047 तक ÷विश्व की कौशल राजधानी÷ बनने के अपने संकल्प को साकार कर सके।

राज्य की नीति से सामंजस्य

यह प्रयास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार की नीति 'हर हाथ को काम, हर हौसले को उड़ान' के अनुरूप है। बस्ती जिले को कौशल हब मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता, उद्योग सहयोग और डिजिटल एकीकरण को एक साथ लाया जा रहा है। कौशल विकास से जुड़ी इन पहलों ने बस्ती को पूर्वांचल का प्रेरक केंद्र बना दिया है, जहां हर हाथ को काम और हर युवा को आत्मविश्वास मिल रहा है।

देश भर के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय 1 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा मनाएंगे

नेस्ट्स पहल के तहत 1.5 लाख आदिवासी छात्र भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाएंगे

पीआईबी

जनजातीय मामलों के मंत्रालय के राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा सोसाइटी (नेस्ट्स) के तत्वावधान में, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) 1 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा मनाएंगे। इसका समापन 15 नवंबर 2025 को जनजातीय गौरव दिवस के भव्य राष्ट्रव्यापी समारोह के साथ होगा जो महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाएगा।

जनजातीय नायकों के योगदान का सम्मान करने और जनजातीय युवाओं को सशक्त बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित इस पखवाड़े का उद्देश्य भारत के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को उजागर कर जनजातीय कला, संस्कृति और विरासत की जीवंत अभिव्यक्तियों को दर्शाते हुए छात्रों को प्रेरित करना है। देश भर के ईएमआरएस रचनात्मक, सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन करेंगे जो देश की जनजातीय परंपराओं की शक्ति और विविधता को प्रदर्शित करेंगी। जनजातीय छात्रों की क्षमता को और बढ़ावा देने तथा उन्हें प्रेरित करने पर प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप देश के इतिहास और विकास में जनजातीय समुदायों की अमूल्य भूमिका के बारे में छात्रों में गौरव, एकता और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सभी ईएमआरएस में पदयात्राएँ और विषयगत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पखवाड़े के दौरान उत्कृष्ट भागीदारी और अभिनव गतिविधियों के लिए दो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को सम्मानित किया जाएगा।

इस वर्ष देश भर के 497 ईएमआरएस के 1.5 लाख से अधिक छात्रों के जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा और जनजातीय गौरव दिवस समारोह में भाग लेने की उम्मीद है जो उनके सामूहिक उत्साह, रचनात्मकता और अपनी विरासत तथा राष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति श्रद्धा को दर्शाता है।

इन पहलों के माध्यम से, नेस्ट्स जनजातीय छात्रों में गौरव, पहचान और उद्देश्य की भावना का पोषण करना चाहता है। इसमें जनजातीय गौरव वर्ष 2025 की भावना का जश्न मनाना और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करना शामिल है ।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर आईटीबीपी के जवानों ने ग्राम कटेमा में ली एकता की शपथ

राजनांदगांव।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की 40वीं वाहिनी, ई-कंपनी कटेमा द्वारा ग्राम कटेमा में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सहायक सेनानी राकेश कुमार के नेतृत्व में अधिकारियों एवं जवानों ने स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया। आईटीबीपी अधिकारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता है, जो हर परिस्थिति में देश को मजबूती प्रदान करती है। ग्राम कटेमा के नागरिकों ने भी इस अवसर पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और ÷एक भारत, श्रेष्ठ भारत÷ के नारों से माहौल को देशभक्ति की भावना से भर दिया।

यह कार्यक्रम भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और स्थानीय समुदाय के बीच सौहार्द, सहयोग एवं आपसी विश्वास को और अधिक मजबूत करने वाला साबित हुआ।

प्रसिद्ध हस्तियों के साथ फिटनेस और स्वस्थ जीवन पर चर्चा करेंगे राष्ट्रीय फिटनेस और वेलनेस सम्मेलन में

पीआईबी

भारत में फि टनेस और वेलनेस के प्रति बढ़ते रूझान के बीच 1 नवंबर, 2025 को मुंबई के द ट्राइडेंट होटल में राष्ट्रीय फि टनेस और वेलनेस कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में केंद्रीय युवा कायर्क्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, केंद्रीय खेल सचिव श्री हरि रंजन राव और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष श्रीमती पी.टी. उषा शामिल होंगी।

खेल, सिनेमा, जीवनशैली और वेलनेस के क्षेत्र की मशहूर हस्तियां सम्मेलन में भाग लेंगी । फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी, 2012 की लंदन ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल, क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे हरभजन सिंह, अभिनेत्री सैयामी खेर, अभिनेता जैकी भगनानी सहित कई अन्य प्रमुख हस्तियां इसका हिस्सा होंगी, जो फिटनेस और स्वस्थ्य जीवन शैली के लिए जाने जाते हैं।

राष्ट्रीय फि टनेस और वेलनेस कॉन्क्लेव में आकर्षक पैनल परिचर्चा और सत्रों में भारत के विकसित होते फिटनेस पारिस्थितिकी तंत्र पर चर्चा होगी और इसकी व्यावसायिक संभावना, सामाजिक महत्व

और स्वस्थ भविष्य को आकार देने में उसकी भूमिका पर विमर्श होगा।

डॉ. मांडविया ने कहा कि यह स्वस्थ और चुस्त-दुरुस्त जीवन संबंधी व्यवसाय को सुदृढ़ बनाने का समय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फिट इंडिया अभियान के साथ इसकी शुरुआत की है और हम सब को इसे आगे बढ़ाने के लिए साथ आना होगा। भारत एक युवा राष्ट्र है, लेकिन यहां जीवनशैली से संबंधित काफी बीमारियां हैं। इस पर काबू पाने के लिए हम सब को मिलकर काम करना होगा। मुझे खुशी है कि फिटनेस और स्वस्थ जीवन अभियान को गति देने के लिए कई शीर्ष हस्तियां आगे आई हैं।

सम्मेलन में आकर्षक पैनल चर्चाओं में विभिन्न क्षेत्रों की प्रसिद्ध हस्तियां फिटनेस और समग्र स्वास्थ्य के महत्व पर अपने विचार साझा करेंगी। फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी फिटनेस और मनोरंजन के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालते हुए, अपनी व्यक्तिगत फिटनेस यात्रा अनुभव साझा करेंगे और लोगों में स्वास्थ्य और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने में सिनेमा की भूमिका का उल्?लेख करेंगे। ओलंपियन साइना नेहवाल अपने करियर के चरम पर फिटनेस बनाए रखने के संघर्ष के अनुभव सुनाएंगी।

डॉ. मांडविया ने कहा कि सम्मेलन प्रसिद्ध हस्तियों से फिटनेस और बेहतर स्वास्थ्य के बारे में उनकी राय जानने का अच्छा अवसर है। साथ ही यह जिम फिटनेस उपकरण बनाने वाले औद्योगिक नेताओं के विचारों को भी सुनने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि संबंधित पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में बेहतरीन जानकारी मिलेगी। सम्मेलन का एक प्रमुख सत्र फिट इंडिया अभियान की पहल और उपलब्धियां दर्शाएगा, जो फिट, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बनाने की अभियान की प्रतिबद्धता रेखांकित करेगा। सम्मेलन का समापन सम्मान समारोह के साथ होगा जिसमें फिट इंडिया एंबेसडर और फिट इंडिया आइकन को देश के फिटनेस अभियान में प्रेरक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

विधि कार्य विभाग ने विशेष अभियान 5.0 के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा किया

सभी कार्यालयों में स्वच्छता, रिकॉर्ड प्रबंधन, अपशिष्ट और लंबित मामलों के निपटारे पर ध्यान केंद्रित किया गया

पीआईबी।

विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग (डीएलए) में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल के मार्गदर्शन और विधि सचिव डॉ. अंजू राठी राणा की निगरानी में सभी प्रभागों और संबद्ध कार्यालयों में विशेष अभियान 5.0 के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किया गया। देश भर में विभाग के कार्यालयों ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा निर्धारित बारह केंद्रित कार्य बिंदुओं को मापनीय परिणामों में परिवर्तित करते हुए सरकार के ÷स्वच्छता ही सेवा÷ दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। **योजना से कार्यान्वयन तक** - विशेष अभियान 5.0 का तैयारी चरण सितंबर में शुरू हुआ। 2 अक्टूबर 2025 को शुरू हुए कार्यान्वयन चरण को दैनिक समीक्षा, एससीडीपीएम 5.0 पोर्टल के माध्यम से डिजिटल ट्रैकिंग और अंतर-विभागीय निगरानी से अभियान के सभी मापदंडों में संतृप्ति प्रदान करने में सक्षम बनाया गया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यॉंत्रिकी खण्ड, नारायणपुर, जिला–नारायणपुर, छ.ग.
Tel. :- 07781-252934
Email :- eenar-phe-cg@gov.in

मैन्युवल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

नि.सू. क्रमांक / 17 / ले.शा. / का.अ. / लो.स्वा.यां.खंड / 2025, नारायणपुर, दिनांक 29 / 10 / 2025

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से नारायणपुर जिला अन्तर्गत विकासखण्ड नारायणपुर/ओरछा में आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न आश्रम छात्रावासों में निक्षेप मद के तहत 125 मि.मी. व्यास के 90 मी. गहरे 9 नग नलकूप खनन कार्य सह हैण्डपम्प स्थापना एवं प्लेटफार्म निर्माण कार्य सामग्री सहित हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में गहुरघंद निविदाएं प्रपत्र "अ" में रपीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से दिनांक 12/11/2025 तक आवेदन आमंत्रित की जाती है।

समूह क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
01	नारायणपुर जिला अन्तर्गत विकासखण्ड नारायणपुर/ओरछा में आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न आश्रम छात्रावासों में निक्षेप मद के तहत 125 मि.मी. व्यास के 90 मी. गहरे 9 नग नलकूप खनन कार्य सह हैण्डपम्प स्थापना एवं प्लेटफार्म निर्माण कार्य सामग्री सहित।	11.08 लाख

उपरोक्त कार्य हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 12.11.2025 है। साथ ही निविदा समस्त शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
नारायणपुर जिला–नारायणपुर छ.ग.

G-252604458/2

आरला-मोखला के किसानों की बढ़ी परेशानी – हर साल करनी पड़ती है पानी निकासी की जद्दोजहद

राजनांदगांव। ग्राम आरला-मोखला के किसानों को खेतों से पानी निकासी के लिए हर वर्ष बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है। किसानों को मोटर लगाकर पानी निकालना पड़ता है, जिससे उन्हें अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। गांव में नाली तो बनाई गई है, लेकिन उसकी ऊंचाई अधिक होने के कारण खेतों का पानी स्वाभाविक रूप से नहीं निकल पाता।

किसान भगत डीमर, युगल किशोर, भागवत सहित कई किसानों ने बताया कि उन्हें प्रतिवर्ष पाइप बिठाकर जबरन पानी निकासी करनी पड़ती है। इससे समय, श्रम और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

पूर्व में महापौर मधुसूदन यादव ने स्वयं स्थल निरीक्षण कर समस्या की गंभीरता को समझा था और समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही थी। किसान नारायण साहू ने भी अपनी पीड़ा व्यक्त करते

हुए प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की थी। किसानों का कहना है कि यदि जल्द नाली की ऊंचाई कम कर समुचित निकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो आगामी सीजन में फ सल को भारी नुकसान हो सकता है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

कलेक्टर ने स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक ली

विद्यालयों को स्वच्छ, हरित और ऊर्जा-सक्षम बनाने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025-26 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ साथ बच्चों में स्वच्छता, ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण की आदतें विकसित करने का माध्यम हैं। प्रत्येक विद्यालय को हरित और स्वच्छ वातावरण का आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक विकासखण्ड से 20 विद्यालयों का चयन कर उन्हें 5-स्टार रेटिंग मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए। इस हेतु विद्यालयों में स्वच्छ शौचालय, रनिंग वाटर की व्यवस्था, भवनों का रंग-रोगन, सोलर पैनल की स्थापना, और स्वच्छ व हरित वातावरण सृजन जैसे आवश्यक संसाधन समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराए जाएं।

जिला समन्वयक, समग्र शिक्षा ने बैठक में बताया कि स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के समस्त विद्यालयों द्वारा जल संरक्षण, शौचालय उपयोग, हाथ धुलाई, संचालन एवं रख-रखाव, व्यवहार परिवर्तन, निर्माण कार्य एवं मिशन लाइफ गतिविधियों के आधार पर स्व-मूल्यांकन कर पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि निर्धारित समयावधि तक जिले के 1284 विद्यालयों ने पोर्टल पर स्व-मूल्यांकन कर पुरस्कार हेतु आवेदन किया है। इन विद्यालयों का चयनित मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा पुनः परीक्षण किया जाएगा। अंतिम चरण में जिला स्तरीय समिति द्वारा 6 ग्रामीण एवं 2 शहरी विद्यालयों का चयन जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए किया जाएगा तथा इन्हीं 8 विद्यालयों का नामांकन राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु भेजा जाएगा।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा, ई.ई. श्री आदित्य प्रकाश, सीएमएचओ डॉ. मनोज बर्मन, जिला मिशन समन्वयक श्री एच.आर. जायसवाल, एपीसी श्री दिनेश कुमार सोनवान, प्रोग्रामर श्री रज्जन मिश्रा, व्याख्याता श्री अनुराग तिवारी, शिक्षक श्री अशोक तिवारी, यूनिसेफ जिला समन्वयक श्री विनोद साहू सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का हुआ आयोजन

विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर, एसपी सहित जनप्रतिनिधि हुए शामिल

जांजगीर-चांपा /

भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री, भारत रत्न लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज नेताजी चौक जांजगीर से कचहरी चौक होते हुए लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल उद्यान तक रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ। इस दौरान विधायक श्री ब्यास कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीयों, एनएसएस, एसीसी, छात्र-छात्राएं, गणमान्य नागरिकों ने रन फॉर यूनिटी में शामिल हुए। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, श्री अमर सुलतानिया, श्री रमेश पैगवार, अन्य जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राए सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

उत्साह एवं उल्लास के साथ जनप्रतिनिधिगण, बच्चे, युवा, खिलाडियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों, नागरिकों ने दौड़ लगाई। इस दौरान लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल उद्यान में विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर, एसपी एवं जनप्रतिनिधियों ने लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। देश के एकीकरण, एकता एवं अखंडता तथा विकास के लिए उनके योगदान का स्मरण किया गया। इसके साथ ही राष्ट्र की सुरक्षा, एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए सभी ने शपथ ली।

काकभुशुण्डि जी पहुंचे श्री शिवरीनारायण मठ राम कथा निर्माणाधीन पंडाल में

आजकल यह विलुप्त पक्षियों में शामिल होते जा रहा है यदा- कदा कहीं-कहीं पर ही इनका दर्शन होता है

जांजगीर चांपा / श्री सीताराम विवाह महोत्सव के परिपेक्ष में शिवरीनारायण मठ में कथा के आयोजन हेतु भव्य पंडाल निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है, दिनांक 31 अक्टूबर को सुबह लगभग 10:00 बजे दो काकभुशुण्डि (कौवा)आकर निर्माणाधीन पंडाल के ऊपर एवं मध्य में बैठ गए और वे निरंतर पंडाल को देखने लगे ऐसा लग रहा था मनोज श्री राम कथा पंडाल निर्माण का अवलोकन कर रहे हों। कुछ लोगों ने कहा कि बहुत दोनों के बाद काकभुशुंडी दिखाई दे रहे हैं। मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज के द्वारा रचित श्री रामचरितमानस में काकभुशुण्डि जी महाराज एक अत्यधिक महत्वपूर्ण पात्र हैं। गोस्वामी जी ने लिखा है कि - *संभु कीन्ह यह चरित सुहावा। बहुरि कृपा करि उमहि सुनावा।। सोइ सिव कागभुसुंडिहि दीन्हा। राम भगत अधिकारी चिन्हा।।अर्थात शिव जी ने पहले इस सुहावना चरित्र को रचा, फिर कृपा करके पार्वती जी को सुनाया वही चरित्र शिवजी ने कागभुसुंडि जी को राम भक्त और अधिकारी पहचान कर दिया। उल्लेखनीय है कि श्री दूधाधारी मठ में 2 नवंबर से 11 नवंबर तक संगीतमय श्री राम कथा का आयोजन होगा तथा श्री शिवरीनारायण मठ में कथा का आयोजन 17 नवंबर से 25 नवंबर तक निर्धारित है। दोनों ही स्थानों में कथा का समय सुबह 9:00 से दोपहर 12:00 तथा अपराह्न 3:00 से शाम 6:00 बजे तक निर्धारित की गई है।

रात्रि में कार के सामने मोटर सायकल को अडाकार खिलौने जैसे पिस्टल दिखाकर डराने धमकाने वाला आरोपी पकड़ाया

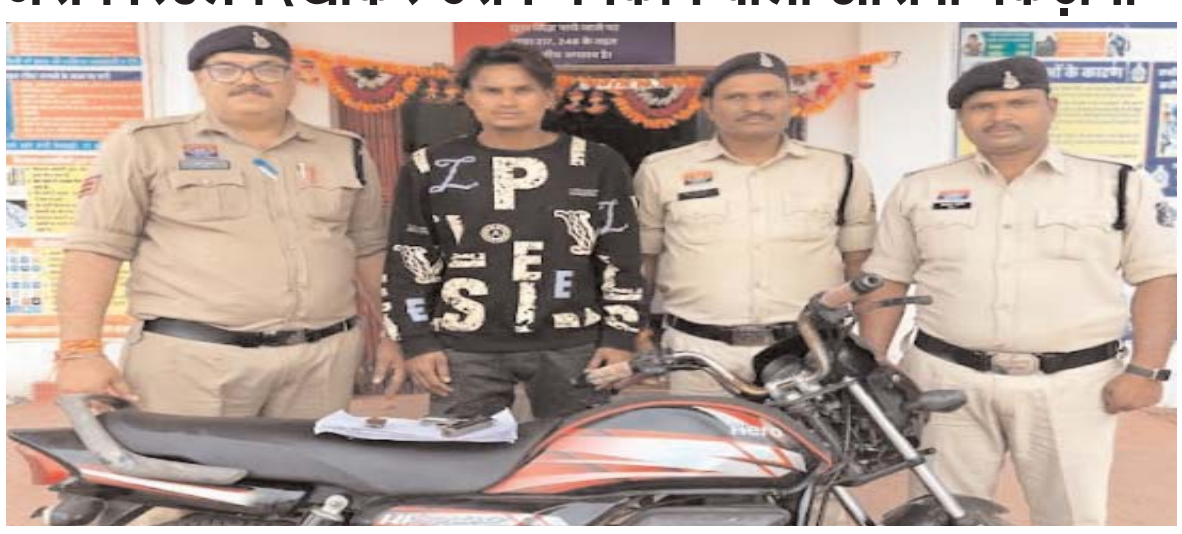

सायबर टीम व थाना जांजगीर पुलिस की कार्यवाही

जांजगीर चांपा / रात्री में कार के सामने मोटर साइकिल अड़ाकर खिलौने जैसे पिस्टल से डराने धमकाने के आरोपी को सायबर व जांजगीर पुलिस ने पकड़ा है । मामले का विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी व्यापारी महेन्द्र मित्तल निवासी जांजगीर दिनांक 26.10.25 को रात्रि रानीसती मंदिर लछनपुर से अपने कार से परिवार के साथ जांजगीर घर आ रहा था। कि खोखसा ओवर ब्रिज के पास लगभग 9:05 बजे पहुंचा था तभी पीछे से एक मोटर सायकल में एक व्यक्ति आया और उसकी कार को ओवर टेक कर मोटर सायकल को सामने खड़ा कर पीछे रखें बन्दूक जैसे को निकाला और लहराते हुये मारने का इसारा किया डरकर वह रास्ता में आने जाने वाले लोगो को चिल्लाया तो वह मोटर सायकल लेकर भाग गया। जिसकी सूचना रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय ढ्ढक्क* के निर्देशन में त्वरित कार्यवाही करते हुए सायबर टीम प्रभारी सागर पाठक के नेतृत्व में थाना जांजगीर पुलिस एवं सायबर टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया दौरान विवेचना के अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। सायबर तकनीकी के माध्यम से चण्डीपारा पामगढ़ निवासी कन्हैयालाल कश्यप को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल एवं खिलौना वाला पिस्तोल एवं एक बटनदार चाकू को जप्त बरामद किया जाकर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी जांजगीर, प्रधान आरक्षक राकेश तिवारी, प्रकाश राठौर, आरक्षक विनोद राठौर एवं सायबर टीम का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर ने लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

जांजगीर-चांपा /

भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री, भारत रत्न लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वीं जयंती जिले में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनायी गई। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारी-कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल देश सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित थे और एकता एवं अखण्डता के प्रतीक थे। सरदार पटेल का भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान है। हमें उनकी जयंती पर उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर सहित सहित जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। इसके साथ ही जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में भी अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा सरदार पटेल जी की जयंती पर राष्ट्रीय एकता की शपथ ली गई।

जिला कांग्रेस ने मनाई इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि एवं सरदार पटेल जी की जयंती

जांजगीर चांपा /

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में कार्यकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश पैगवार के संयोजकत्व में 31 अक्टूबर को पूर्व प्रधानमंत्री प्रियदर्शनी स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी की बलिदान दिवस एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती अवसर पर उन्हें याद करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर जांजगीर स्थित इंदिरा गांधी जी के प्रतिमा स्थल पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई एवं उसके पूर्व दोनों महान विभूतियों के प्रतिमा स्थल में पुष्पमाला अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई ।

कार्यक्रम में जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी ने 31 अक्टूबर 1984 को देश की एकता एवं अखंडता के लिए अपना महान बलिदान दिया इतिहास में शायद ही अकेला ऐसा कोई व्यक्ति होगा जो देश के भाग्य से इतना जुड़ा रहा हो प्रतिवर्ष भारत कि इस महान सुपुत्री को बलिदान दिवस पर देश की जनता एकता, अखंडता, सुदृढ़ता और प्रगति के लिए उनके कार्यों के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हैं

जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैगवार ने कहा स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी भारत के आत्म सम्मान और आत्मविश्वास की प्रतीक थी उनके व्यक्तित्व का लोहा पूरा विश्व मानता था अपनी मृत्यु से केवल एक दिन पूर्व उन्होंने उद्गार व्यक्त किए थे यदि मैं राष्ट्र की सेवा करते हुए मर भी जाऊं तो मुझे गर्व होगा मुझे विश्वास है कि मेरे खून की प्रत्येक बूंद इस राष्ट्र की विकास एवं समृद्धि में सहायक होगी

जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी के आदर्शो, जीवनी, त्याग, बलिदान एवं राष्ट्रहित में उनके योगदान पर अपने उद्बोधन में विस्तार पूर्वक जानकारी दी , प्रदेश कांग्रेस सचिव गिरधारी यादव ने भी दोनों महान विभूतियों के जीवनी पर विचार व्यक्त किये

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ परश शर्मा, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक सिद्धकी, विवेक सिसोदिया, महामंत्री शिशिर द्विवेदी, अजीत सिंह राणा, आभास बोस,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भगवान दास गढ़वाल, सेवा दल जिला अध्यक्ष देव कुमार पांडे, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमती सीमा राजू शर्मा, ऋषिकेश उपाध्याय, सुखराम गरेवाल, पार्षद विष्णु यादव , देवराज सिंह, संतोष बबई गढेवाल, अनिल चौरसिया, परमेश्वर निर्मले, रामविलास राठौर, अनिल राठौर, विजय प्रकाश तिवारी, धीरज सिंह, मुस्कान परवीन, हेमलता राठौर, पूनम अग्रवाल, सत्यभामा टंडन, रजनी सूर्यवंशी, लक्ष्मी महंत, रफीक खान, डॉ महेश पटेल, राजा सिद्धकी, मनीष कुमार, चंद्रशेखर कश्यप, सौरभ सिंह, अशोक सोनवानी, पवन कश्यप, चंद्र कुमार ओग्रे, नरसिम्हा यादव, अशोक यादव, प्रीतम कौशिक, अंशु यादव, खोलबहरा पटेल, रामकुमार कश्यप, किशन आदित्य, अतिक कुरैशी, कमलेश सूर्यवंशी, देवनारायण, संजय कश्यप, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित हुए ।

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक अपरिहार्य कारण से स्थगित

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक 31 अक्टूबर 2025 शुक्रवार को दोपहर 3.30 बजे कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में आयोजित की गई थी। सचिव जिला जल उपयोगिता समिति एवं कार्यपालन अभियंता हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर ने बताया कि जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है। आगामी बैठक की तिथि की सूचना पृथक से दी जाएगी।

आगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु आवेदन 17 नवम्बर तक आमंत्रित

जांजगीर-चांपा / एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर के जनपद पंचायत नवागढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पाली के आंगनबाड़ी केन्द्र 03 मे कार्यकर्ता पद रिक्त होने के फलस्वरूप 18 वर्ष से 44 वर्ष के महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किया गया है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर नवागढ़ ने बताया कि उक्त पद हेतु 12 वीं उत्तीर्ण उक्त ग्राम के किसी भी अभ्यर्थी को आवेदन करना हो तो 17 नवम्बर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर (जाज्वल्यदेव नवीन कन्या महाविद्यालय जांजगीर के पीछे पुराना बाल संरक्षण गृह) मे सीधे जमा किया जा सकता है। नियत तिथि के उपरान्त प्राप्त होने वाले आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आंवला नवमी का पर्व श्रद्धा भक्ति पूर्वक मनाया गया

जांजगीर चांपा /

श्री शिवरीनारायण मठ एवं श्री दूधाधारी मठ में आंवला नवमी का पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी को श्रद्धा भक्ति पूर्वक परंपरागत रूप से मनाया गया । प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवरीनारायण मठ में आंवला नवमी के परिपेक्ष में श्रद्धालु भक्तगण बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। यहां शाम 7:00 बजे सामूहिक पूजा अर्चना की गई। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त जी महाराज ने लोगों को अपना आशीर्वचन प्रदान किया। मठ मंदिर प्रांगण में रंगोली सजाई गई, सभी लोगों ने मिलकर दीपदान किया। इसी तरह सुबह 9:00 बजे श्री दूधाधारी मठ के रामबाग में आंवला वृक्ष के नीचे पूजा अर्चना की गई महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज के सानिध्य में भजन कीर्तन के साथ श्रद्धालु भक्तगण रामबाग में उपस्थित हुए।

आंवला वृक्ष के नीचे भगवान लक्ष्मी नारायण जी की विधिवत पूजार्चना की गई। श्री राम नाम संकीर्तन के साथ परिक्रमा पूर्ण कर भगवान श्री बालाजी की जय घोष करते हुए सभी श्रद्धालु भक्तों ने प्रसाद प्राप्त किया। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त जी महाराज ने अपने आशीर्वचन संदेश में कहा है कि *अक्षय नवमी के पर्व को आंवला नवमी के नाम से जाना जाता है। इस दिन आंवला वृक्ष के नीचे भगवान श्री हरि की पूजा अर्चना करने से मनुष्य को मनोवांछित फल प्राप्त होता है*। इस पर्व पर किया गया दान, पुण्य अक्षुण्य रहता है इसीलिए इसे अक्षय नवमी के नाम से जानते हैं। श्री दूधाधारी मठ एवं श्री शिवरीनारायण मठ में यह पर्व बहुत ही श्रद्धा भक्ति पूर्वक आयोजित होता। शिवरीनारायण मठ में सान्धय कालीन बेला में लोगों ने आंवला वृक्ष के नीचे पूजा अर्चना करके प्रसाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व विधायक चंद्रदेव राय, राघवेंद्र प्रताप सिंह, हेमंत दुबे श्रीमती पल्लवी दुबे, बृजेश केसरवानी, मुख्तियार सुखराम दास जी श्रीमती रीना तिवारी, त्यागी जी महाराज, देवा लाल सोनी, कमलेश सिंह, प्रमोद सिंह, केशव नारायण सोनी, राजू गुप्ता, बुद्धेश्वर केसरवानी, भूपेंद्र पांडे, ज्ञानेश शर्मा, विनोद केसरवानी, प्रतीक शुक्ला, नवीन शर्मा, अशोक गुप्ता, रामचरण कर्ष, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव सहित श्रद्धालु भक्तगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पूजार्चना पंडित अंकित दुबे ने संपन्न कराया।

खास खबर

फॉर्मेसी की छात्रा ने हॉस्टल में फांसी लगाकर की खुदकुशी

बिलासपुर। बिलासपुर जिले मस्तूरी थानाक्षेत्र स्थित एक निजी गर्ल्स हॉस्टल में फॉर्मेसी की छात्रा के फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। मृतिका की पहचान लोहरसी सोन निवासी यामिनी कोशले के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह मस्तुरी थाना क्षेत्र के ग्राम पेंड्री स्थित गुप्ता गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं ने वहीं रहने वाली छात्रा यामिनी सांदीपनी की लाश फांसी पर लटके हुए देखी और तत्काल इसकी सूचना हास्टल संचालक को दी जिन्होंने इसी जानकारी मस्तूरी थाना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा का शव फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया तथा उसके परिजनों को इसकी सूचना भिजवा दिया। बताया जाता है कि मृतका ग्राम लोहरसी सोन की रहने वाली थी तथा पेंड्री सान्दीपनि कॉलेज में डी फॉर्मेसी फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोलीकांड अपडेट : सीसीटीवी फुटेज में दिखे 4 नकाबपोश हमलावर

जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर,। मस्तूरी में कांग्रेस नेता और जनपद उपाध्यक्ष नितेश सिंह ठाकुर के ऑफिस के पास देर शाम हुई फायरिंग के मामले में एक बड़ा अपडेट सामने आया है. पुलिस के हाथ हमलावरों का सीसीटीवी फुटेज लगा है, जिसमें देखा जा सकता है कि 4 हमलावरों ने नकाब पहनकर इस वारदात को अंजाम दिया है. फुटेज में हमलावर गोली चलाते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं. पुलिस के अनुसार, हमलावर जोंधरा चौक की तरफसे आए थे. हालांकि, सभी हमलावरों के चेहरे नकाब से ढंके हुए थे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है. बता दें, इस गोलीकांड में भाजपा नेता के ससुर सहित दो लोगों को गोली लगी थी, जिनका गंभीर हालत में अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा है. घटना के बाद से ही पुलिस की टीम अलग-अलग एंगलों पर जांच कर रही है. पुलिस पुरानी रंजिश, राजनीतिक प्रतिद्वंदता, जमीन विवाद, अन्य व्यक्तिगत विवाद, इन सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है।

ग्रीष्मकालीन धान के रकबे में कमी लाकर दलहन, तिलहन एवं मक्का फसलों के क्षेत्र विस्तार के दिए निर्देश

खरीफ 2025 की समीक्षा एवं रवि 2025-26 के कार्यक्रम निर्धारण के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त ने ली बैठक

जिले में बिलासपुर संभाग की एपीसी समीक्षा बैठक हुई आयोजित

कोरबा संवाददाता।

कृषि व्यवस्था को अधिक सुदृढ बनाने तथा आगामी फसल सीजन की तैयारी के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती सहला निगार की अध्यक्षता में आज कोरबा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में खरीफवर्ष 2025 के प्रगति तथा रबी वर्ष 2025-26 कार्यक्रम निर्धारण हेतु बिलासपुर संभाग के अधिकारियों को समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

एपीसी बैठक में खरीफ2025 में धान के रकबे में कमी एवं फसल विविधीकरण, रबी 2024-25 की तुलना में क्षेत्राच्छादन में वृद्धि तथा रबी / ग्रीष्म (जायद) अल्पकालीन फसल ऋण वितरण में वृद्धि की रणनीति, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

अंतर्गत अपात्र एफआरए एवं पीवीटीजी कृषक तथा अन्य संदिग्ध प्रकरण का समय सीमा में सत्यापन तथा समय सीमा में एग्रीस्टेक अंतर्गत पंजीयन की कार्ययोजना, रबी 2026-27 की संभावित बीज मांग के दृष्टिगत रबी 2025-26 में फसलवार बीज उत्पादन कार्यक्रम की कार्ययोजना, ऑयल पॉम के क्षेत्र विस्तार की कार्ययोजना, केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के अंतर्गत सामान्य बीज वितरण एवं प्रदर्शन में प्रयुक्त होने वाले बीजों की फसलवार, योजनावार दर तथा इनके वितरण में ''साथी पोर्टल'' के अनुप्रयोग इत्यादि महत्वपूर्ण बिदुंओ पर चर्चा की गई।

खरीफवर्ष 2025 की समीक्षाः-

कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती निगार ने एपीसी बैठक में संभाग से उपस्थित समस्त जिले के कलेक्टर को शासन की मंशानुरूप खरीफ 2025 के अंतर्गत धान के रकबे में कमी लाने, फसल विविधीकरण, दलहन तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही बीज, उर्वरक एवं ऋण वितरण की प्रगति पर भी चर्चा की गई। कृषि उत्पादन आयुक्त ने शासन की प्रथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अमला योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु जमीनी स्तर पर योजनाओं के अद्यतन स्थिति की नियमित मॉनीटरिंग करें। उन्होंने किसानों को धान के अतिरिक्त दलहन तिलहन व अन्य फसलों के लिए प्रोत्साहित करने व शासन की सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध उपलब्ध कराये जाने की बात कही। उन्होंने एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत किसानों की शतप्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए कहा। साथ ही पोर्टल में जल्द से जल्द किसानो के पंजीयन गैप को नग्णय करने की दिशा में सभी अधिकारियों को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। बिलासपुर संभाग के केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की वित्तिय प्रगति, मिट्टी परीक्षण, बीजों के वास्तविक मांग, रबी फसल हेतु ज्यादा से ज्यादा कृषको को प्रेरित करें व केसीसी लोन सुनिश्चित करें, राष्ट्रीय स्तर पर फसलों की उपज बढ़ाने की दिशा में कार्य करने हेतु दिशा निर्देश दिये गये।

रबी 2025-26 के लिए कार्ययोजनाः- रवि 2025-26 के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन धान के रकबे में कमी लाकर दलहन, तिलहन एवं मक्का फसलों के क्षेत्र विस्तार के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए गए। भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत उड़द, अरहर, मूंग, चना, मसूर, सोयाबीन, मूंगफली एवं सरसों के उपार्जन से कृषकों को लाभान्वित करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनाः- बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त के लिए पंजीकृत किसानों का एग्री-स्टैक अंतर्गत पंजीयन अनिवार्य बताया गया। सभी जिलों को शेष लाभार्थियों का पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने तथा संदिग्ध प्रकरणों का सत्यापन समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

करोड़ों की शासकीय जमीन को कराया गया अवैध कब्जा से मुक्त

प्रशासन ने लगवाया अपना बोर्ड

कुछ दिन पूर्व ही दर्ज हुई थी एफआईआर

पुनः एफआईआर दर्ज करने की मांग

कोरबा । कुछ दिन पूर्व नगर के मानिकपुर डिपरापारा क्षेत्र में करोड़ों की शासकीय भूमि पर जेसीबी से बलपूर्वक कब्जा कर लिये जाने की शिकायत दर्ज कराई गयी थी। जिसके बाद क्षेत्र के पार्षदों के द्वारा शिकायत करने के बाद प्रशासन ने मामला संज्ञान में लेते हुए उस पर कार्यवाही कर करोड़ों रुपये की शासकीय जमीन को कब्जा मुक्त कर जमीन पर शासकीय बोर्ड लगा दिया है। शासकीय तन्त्र की सख्ती के बाद जमीन माफियाओं में हड़कंप मच गया है और वे बचाव के तरीकों की खोज में जुट गये हैं। शासकीय भूखंडों में विभागीय सांकेतिक साइन बोर्ड लग जाने के बाद उसकी खरीदफरोख्त पर रोक लगेगी। आसपास के लोगों को जानकारी मिल

जाएगी कि संबंधित भूखंड शासकीय है। कोई भी व्यक्ति इसे अवैध कब्जा नहीं कर सकता है। अगर किसी व्यक्ति के द्वारा भूखंड का क्रय विक्रय करने का प्रयास किए जाने की स्थिति में सम्बंधित व्यक्ति पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम सरोज महिलांगे ने बताया कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा को लेकर बार-बार शिकायतें आ रही थी जिस पर कार्यवाही करते हुए शासकीय भूमि करीब 1 एकड़ को कब्जा मुक्त कराकर जमीनों पर शासकीय बोर्ड लगवा दिए गए हैं। अब करोड़ों रुपये कीमती शासकीय जमीन को कब्जा मुक्त कराया जा चुका है। कब्जा मुक्त कराई गई जमीन का सदुपयोग किया जाएगा। और जो भी जमीन दलालों के नाम सामने आते हैं तो उनके ऊपर प्रशासन की तरफसे कानूनी कार्यवाही की जाएगी। ताकि भविष्य में जमीन दलालों या अन्य लोगों के द्वारा शासकीय जमीन पर कब्जा न कर सके, जिस पर शिकंजा कसा जाएगा।

गौपाष्टमी पर कामधेनु गौशाला झाबर में गौ-पूजा संपन्न

कोरबा । गौपाष्टमी के अवसर पर झावर स्थित कामधेनु गौशाला में श्रद्धालुओं ने परंपरागत विधि से गौ-माता एवं समस्त गोवंश की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही गौ-शाला परिसर में धार्मिक उत्साह का वातावरण रहा। ग्रामीणों, गौ-सेवकों और समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर गौ-आराधना और सेवा कार्यों में सहभागिता निभाई।

पिछले 15 वर्षों से निरंतर गौ-सेवा और गौ-पूजा का कार्य कर रहे स्थानीय गौ-सेवक अरुणीश तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि ÷गौ-सेवा केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक है। आज जिस तरह गौ-वंश की स्थिति दयनीय होती जा रही है, वह समाज के लिए चेतावनी है। उन्होंने कहा कि दूध, दही, घी, मक्खन, पनीर, मट्ठा और छाछ जैसे उत्पादों का

उपयोग हर धर्म और समुदाय के लोग करते हैं, इसलिए गाय का महत्व किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है। धार्मिक आस्था से अधिक इसे व्यावहारिक जीवन की आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए।

गौ-सेवक ने अपील की है कि लोग कुत्तों या विदेशी पालतू जानवरों की बजाय गो-वंश को अपनाने की परंपरा को पुनर्जीवित करें। ÷जो लोग गौ-सेवा के नाम पर दिखावा करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि यह धर्म का नहीं, मानवता और पर्यावरण संरक्षण का प्रश्न है।÷

तेज रफ्तार लक्जरी कार डिवाइडर से टकराई, बड़ा हादसा टला

कोरबा शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक घंटाघर रोड पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। गर्ल्स कॉलेज से निहारिका की ओर जा रही एक लक्जरी कार मोड़ पर अचानक अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार में चालक के काबू से बाहर हुई कार सीधे डिवाइडर से जा टकराई और उसका अगला पहिया कॉन्क्रीट व लोहे के एंगल को पार कर गया। अचानक हुई इस तेज आवाज से आसपास के ज्वेलर्स, इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों के संचालक और अन्य लोग बाहर निकल आए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत चालक को कार से सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन लाखों की कीमत वाली गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

राज्योत्सव का आयोजन 2 से 4 नवंबर तक

- **उद्योग मंत्री लखन लाल मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल**
- **छत्तीसगढ़ी लोक गायक दिलीप षड़ंगी, गायिकाश्रीमती अलका चंद्राकर देंगी प्रस्तुति**
- **कवि सम्मलेन का भी होगा आयोजन**

कोरबा जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस रजत जयंती वर्ष के अवसर पर राज्योत्सव का आयोजन घंटाघर ओपन आडिटोरियम परिसर में 02 नवंबर से 04 नवंबर तक किया जायेगा। इसके लिए आवष्यक तैयारियां की जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाणिज्य श्रम व उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन होंगे।

राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर स्थानीय कलाकारों को मंच देने के साथ ही छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में 02 नवंबर को शाम 07 बजे से जसगीत गायक श्री दिलीप षड़ंगी, 03 नवंबर को लोक गायिक श्रीमती अलका चंद्राकर अपनी प्रस्तुति देंगी। 04 नवंबर को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें श्री अरूण जैमिनी, हास्य कवि श्री चिराग जैन, कवि श्री शषिकांत यादव, श्रद्धा शौर्य, देवेन्द्र परिहार, हीरामणी वैष्णव शामिल होंगे। तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की कलाकारों द्वारा देषभक्ति छत्तीसगढ़ी गीत, लोक नृत्य, नृत्य नाटिका, शास्त्रीय संगीत एवं गायन की प्रस्तुति भी दी जायेगी।

सेजेस तिलकेजा के छात्रों ने किया अडानी प्लांट का भ्रमण समझा उड़ान प्रोजेक्ट के तहत बिजली उत्पादन प्रक्रिया को

कोरबा संवाददाता

उड़ान प्रोजेक्ट के तहत कोरबा के पीएम सेजेस तिलकेजा के 51 विद्यार्थियों ने अडानी पॉवर प्लांट पताढ़ी का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों को आधुनिक बिजली उत्पादन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। अडानी पॉवर प्लांट के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को 660 मेगावाट की बिजली उत्पादन प्रक्रिया समझाई। उन्होंने अग्निशमन और सीएचपी (कोल हैंडलिंग प्लांट) जैसे विभिन्न विभागों का भी अवलोकन कराया। अधिकारियों ने बिजली निर्माण और सुरक्षा मानकों के पालन के बारे में विस्तार से बताया।

छात्रों ने बिजली उत्पादन प्रक्रिया

को समझा। प्राचार्य एम.आर. श्रीवास ने बताया कि पाठ्यक्रम के अनुसार औद्योगिक प्लांट का भ्रमण छात्रों को व्यावहारिक जानकारी देने के लिए कराया गया। इससे उन्हें बिजली उत्पादन और कर्मचारियों के कार्यप्रणाली को समझने में मदद मिली।

विद्यार्थियों के अनुसार, उन्हें पहले केवल किताबों से प्लांट संचालन और बिजली उत्पादन की जानकारी थी। यहां आने के बाद उन्हें पता चला कि ऊर्जाधानी कोरबा में कैसे बिजली बनती है और पूरे देश में कैसे इसकी आपूर्ति होती है। इस शैक्षणिक भ्रमण ने बच्चों को ऊर्जा उत्पादन की तकनीकी प्रक्रिया से अवगत कराया और उनके ज्ञान में महत्वपूर्ण वृद्धि की। अडानी समूह ने छात्रों के लिए उत्कृष्ट व्यवस्था की थी। बस सुविधा, नाश्ता और भोजन सहित पूरे भ्रमण को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया गया। यह शैक्षणिक यात्रा प्राचार्य एम.आर. श्रीवास के निर्देशन में संपन्न हुई, जिसमें 51 विद्यार्थी शामिल थे। भ्रमण के दौरान आर.के. पटवा सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

हर खेत तक पहुंचा पानी हर किसानों के चेहरों में आई मुस्कान

जल संसाधन विभाग की 25 वर्षों में विकास की धारा==

पानी से समृद्धि तक, बढ़ी सिंचाई क्षमता और सशक्त हुआ ग्रामीण विकास का आधार'

कोरबा संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष समूचे प्रदेश के लिए गर्व और उपलब्धियों के उत्सव का अवसर लेकर आया है। शुरुआती दौर में राज्य ने अपनी ऐतिहासिक यात्रा आरंभ की थी, तब विकास की राह अनेक चुनौतियों से घिरी हुई थी। सीमित संसाधन एवं अधोसंरचना की कमी के बीच राज्य ने दृढ़ संकल्प, जनसहभागिता और समर्पित नेतृत्व के बल पर निरंतर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। आज, 25 वर्षों के इस गौरवशाली सफर में छत्तीसगढ़ ने उद्योग, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, ग्रामीण विकास और जल संसाधन जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर देश के विकसित और उन्नतिशील राज्यों की श्रेणी में अपना स्थान सशक्त किया है। यह रजत जयंती वर्ष केवल बीते वर्षों की उपलब्धियों का स्मरण भर नहीं, बल्कि एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की दिशा में नई ऊर्जा का प्रतीक है। 25 वर्षीय सफर में जल संसाधन विभाग का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। जल ही जीवन और कृषि का आधार है, और छत्तीसगढ़ जैसे कृषिप्रधान राज्य में

सिंचाई सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ साबित हुआ है। कोरबा जिला, जो अपनी भौगोलिक विविधता और औद्योगिक पहचान के लिए जाना जाता है, यहाँ जल संसाधन विभाग ने वर्ष 2000 से लेकर 2025 तक अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की है। वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना हुई, उस समय कोरबा जिले में सिंचाई की स्थिति बहुत सीमित थी। जिनमें जलाशय, व्यपवर्तन और उद्वहन जैसी योजनाएँ सम्मिलित थीं। इन योजनाओं के माध्यम से खरीफऔर रबी दोनों मौसमों में मिलाकर लगभग दस हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही थी। ग्रामीण अंचलों में वर्षा पर निर्भर खेती प्रचलित थी और सीमित सिंचाई व्यवस्था के कारण किसानों को फसलों की उत्पादकता में कठिनाइयाँ आती थीं।

राज्य गठन के पश्चात सरकार ने जल संसाधन के विकास को अपनी प्राथमिकता में रखा। ग्रामीण क्षेत्रों में जल भंडारण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए कई योजनाएँ लागू की गईं। जलाशयों के निर्माण, नहरों के जीर्णोद्धार, व्यपवर्तन परियोजनाओं के विस्तार तथा एनिकट निर्माण जैसे कार्यों को निरंतरता से आगे बढ़ाया गया। इन योजनाओं ने न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा दिया, बल्कि जल के समान वितरण को भी सुनिश्चित किया। आज, जब राज्य अपनी रजत जयंती मना रहा है, कोरबा जिले का जल संसाधन विभाग इस बात का उदाहरण बन चुका है कि योजनाबद्ध प्रयास और कार्यशैली किस प्रकार जनहित में ठोस परिणाम दे सकते हैं। इनमें जलाशय, व्यपवर्तन और एनिकट योजनाएँ प्रमुख हैं। इन सभी योजनाओं के माध्यम से अब खरीफ और रबी दोनों मौसमों में मिलाकर लगभग साढ़े सोलह हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है। यह आंकड़ा वर्ष 2000 की तुलना में 6071 हेक्टेयर की वृद्धि को दर्शाता है, जो विभाग की निष्ठा और राज्य शासन की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है।

वर्ष 2000 में कोरबा जिले में जलाशयों की संख्या मात्र 31 थी, जिनसे खरीफमें लगभग 7365 हेक्टेयर और रबी में 294 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जाती थी। आज यही संख्या बढ़कर 40 जलाशयों तक पहुँच चुकी है, जिनसे खरीफमें 9135 हेक्टेयर और रबी में 326 हेक्टेयर भूमि सिंचित हो रही है। व्यपवर्तन परियोजनाओं की संख्या भी इस अवधि में 7 से बढ़कर 14 हो गई है, जिससे खरीफऔर रबी दोनों मौसमों में लगभग 5790 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। इसी प्रकार, वर्ष 2000 में जिले में एक भी एनिकट योजना नहीं थी, जबकि अब 23 एनिकट योजनाएँ निर्मित हो चुकी हैं, जिनसे लगभग 1256 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा प्राप्त हो रही है।

इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि पिछले 25 वर्षों में जिले की सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अकेले जलाशयों से 1802 हेक्टेयर, व्यपवर्तन परियोजनाओं से 3013 हेक्टेयर और एनिकट योजनाओं से 1256 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षेत्र विकसित हुआ है। इससे न केवल खेती का रकबा बढ़ा है, बल्कि किसानों के लिए नई संभावनाएँ भी खुली हैं। जहाँ पहले केवल खरीफफसलें बोई जाती थीं, वहीं अब रबी और ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती भी संभव हो सकी है। जल संसाधन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं ने कोरबा के किसानों को आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर किया है। पहले जहाँ वर्षा पर निर्भरता के कारण फसलों की पैदावार अस्थिर रहती थी, वहीं अब पर्याप्त जल उपलब्धता से उत्पादन में स्थायित्व आया है। इससे किसानों की आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और ग्रामीण जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखा गया है। गाँवों में कृषि आधारित रोजगार सृजन बढ़ा है तथा जल संरक्षण की संस्कृति विकसित हुई है।

इन उपलब्धियों के पीछे राज्य शासन की दूरदर्शी नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बीते वर्षों में शासन ने कई पहलें लागू कीं। इन योजनाओं ने न केवल जल संरक्षण को प्रोत्साहित किया बल्कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से जल उपयोग दक्षता भी बढ़ाई। पाइपलाइन आधारित वितरण प्रणाली और सौर ऊर्जा संचालित पंपों के माध्यम से पानी की आपूर्ति को अधिक सुगम बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ की नई पहचान

नवीन विधानसभा भवन का

लोकार्पण

यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के कर कमलों से

होने पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

शनिवार, 01 नवंबर 2025

नवीन विधानसभा परिसर, नया रायपुर

विनीत : छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)